मार्च 2023

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

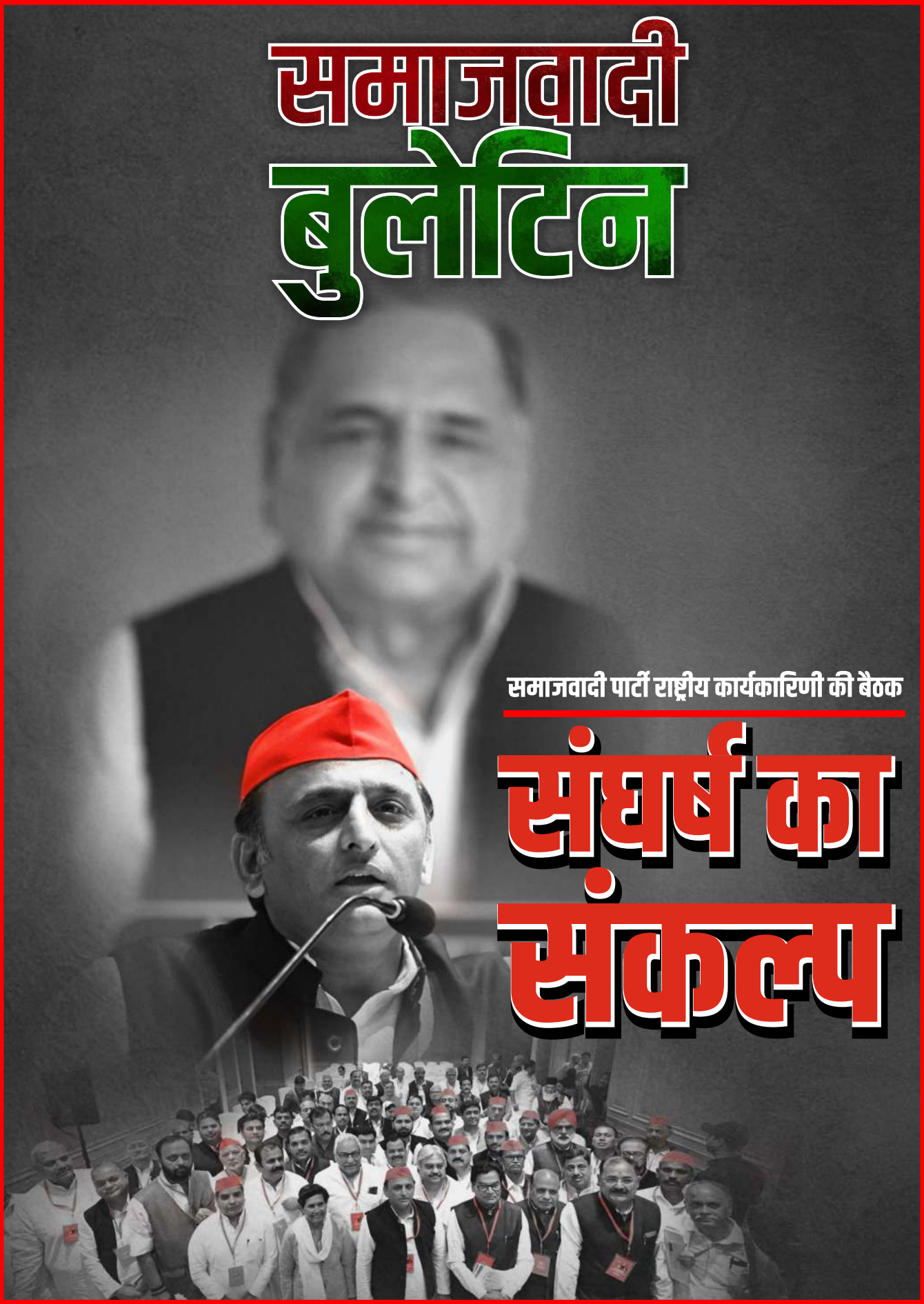

समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

संघर्ष का संकल्प

R.N.I. No. 68832/97

www.samajwadiparty.in

जातीय जनगणना जरूरी है क्योंकि यह एक बड़े सामाजिक बदलाव की वाहक बनेगी। इसके जरिए कई दशकों का अन्याय दूर होगा। इससे उन पिछड़ी और अनुसूचित जातियों का सम्मान सुनिश्चित हो सकेगा जो देश की स्वतंत्रता के बाद आज तक उपेक्षित रहने के लिए अभिशप्त हैं।

मुलायम सिंह यादव

संस्थापक , समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

मार्च 2023

वर्ष 24| संख्या 05

प्रिय पाठकों

आप सभी के प्यार, उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन से आपकी प्रिय पत्रिका समाजवादी बुलेटिन, बदली हुई साज-सज्जा के साथ अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। हम आपके आभारी हैं कि अभी तक के सफर में हम आपकी कसौटी पर खरे उतर सके हैं। हम भरोसा दिलाते हैं कि भविष्य में भी आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने की हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कृपया अपना प्यार यूं ही बनाए रखें।

धन्यवाद

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

पिछड़ों ने बांधी गांठ... 30

06 कवर स्टोरी

संघर्ष का संकल्प

दौरे पर अखिलेश, संग पूरा उत्तर प्रदेश 18

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने आगामी लोकसभा चुनाव-2024 के मद्देनजर पूरे उत्तर प्रदेश में दौरे तेज कर दिए हैं। पिछले महीने पश्चिम व पूरब के दौरे के बाद मार्च महीने के शुरुआती हफ्ते में ही उन्होंने कई जिलों का दौरा कर कार्यकर्ताओं, नेताओं व आम जन में जोश भर दिया।

दक्षिण को भाए उत्तर के अखिलेश 24

न मेरा है, न तेरा है ये हिन्दुस्तान सबका है 04

न मेरा है, न तेरा है ये हिन्दुस्तान सबका है

उदय प्रताप सिंह

आजकल सरकार के चहेतों में खास अरबपति अडानी की घपलेबाजी का मामला मीडिया की सुर्खियों में चमकता नज़र आ रहा है। कुछ लोग इस मामले पर हैरानी जताएंगे। मामला बड़ा है इसलिए उस पर संसद में हंगामा हुआ। अब ऊंट की चोरी निहुरे निहुरे संभव नहीं थी तो गोदी मीडिया को शर्म का सौदा करके बोलने का काम करना पड़ा। यह घपला भारत की अर्थव्यवस्था को चौपट करेगा, यह तय है। यह बेशक चिंता का विषय है। इससे गरीबी, महंगाई बढ़ेगी। कंगाली में आटा और गीला होगा।

पर मेरी चिंता इससे भी बड़ी है कि जिस तरह लोकतंत्र पर देश में बराबर हमला हो रहा है वह इससे भी अधिक घातक है। इससे भारत में लोकतंत्र के स्तर में बराबर गिरावट आ रही है। इस पर मैं भी सोचूं तू भी सोच। इंग्लैंड की जानी मानी संस्था इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट के सर्वेक्षण के अनुसार भारत का लोकतंत्र दुनिया के दूसरे देशों की तुलना में लगातार निचले स्तर पर जा रहा है। 2014 में भारत लोकतांत्रिक मूल्यों को

फोटो स्रोत : गूगल

लेकर दुनिया के देशों में 27वें पायदान पर था जो लुढ़ककर 54 वें स्थान पर आ गया। अल्पसंख्यकों को डराने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध इस गिरावट के कारक बताए गए हैं। किसानों के आंदोलन के प्रति भारत सरकार के अड़ियल रवैये पर कनाडा के प्रधानमंत्री पॉप आर्टिस्ट रिहाना ग्रेटटुंबर्ट के आलोचनात्मक बयानों पर सरकारी आपत्ति यह है कि यह भारत का अंदरूनी मामला है, विदेशी हस्तक्षेप नामंज़ूर है। यह ऐसा है कि हम चेहरे की धूल पोंछने की जगह दर्पण को दोषी ठहराएं।

अपना चेहरा न पोंछा गया आपसे, आईना बेवजह तोड़कर रख दिया।

आर्थिक व्यवस्था, बेरोज़गारी, महंगाई, ग़ैर बराबरी की बात इस समस्या के सामने दबी जरूर है पर वह भी सरकारी नीतियों की विफलता है। जब किसानों के संदर्भ या नागरिकता कानून के अंतर्गत सरकार की आलोचना व विरोध करने वाले को देशद्रोही घोषित किया जाए तो लोकतंत्र का स्तर लुढकेगा ही। इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट की लोकतंत्र की गिरावट की रिपोर्ट भी कम शर्मनाक नहीं है। सोचिए, 5 फरवरी 2023 के अखबार में जामिया के मामले में शरजील और 10 अन्य को दिल्ली कोर्ट ने यह कहकर छोड़ दिया कि विरोध करना मूल अधिकारों का अनन्य भाग है, यह भी कहा कि सरकारों की नीतियों पर आवाज उठाना विरोध करना वास्तव में आत्मा की आवाज है, इसी आवाज पर गांधी जी ने असहयोग आंदोलन की बुनियाद रखी थी। संविधान में मूल अधिकारों के अंतर्गत इसकी अनुमति है।

प्रश्न है कि इन 11 छात्रों को, जो देश के भविष्य कहे जाते हैं, देशद्रोह के झूठे मामले फंसा कर इतने दिन जेल में रखने के दोषियों को क्या दंड मिलना चाहिए

और कैसे? वे निर्दोष थे।

सवाल ये है कि हमारे देश में न्याय की प्रक्रिया इतनी धीमी चलती है कि सरकार के विरोध में आवाज उठाने के लिए उन पर देशद्रोह का मामला दर्ज करके उन्हें जेल में डाल दिया जाता है और कई साल बाद कोर्ट कहता है कि वह निर्दोष हैं । केरल के पत्रकार कप्पन ,छात्र उमर खालिद और कई अन्य की ऐसी ही कहानियां हैं।

दो प्रश्न देश-विदेश के लोग पूछना चाहते हैं। क्या आतंकवादियों के दमन के लिए बने क़ानून को विपक्ष की आवाज़ दबाने हेतु प्रयोग जघन्य अपराध नहीं है? दूसरा क्या सरकार यह सब काम चुनावी लाभ हेतु धार्मिक ध्रुवीकरण के एजेंडे के तहत तो नहीं कर रही है। शहरों, सड़कों के नाम और इतिहास बदलने के एजेंडे में निहितार्थ ध्रुवीकरण है। इस प्रपंच का पहलू भी उसमें है। अल्पसंख्यक पर हो रहा है। इसलिए शक होना स्वाभाविक है। बहरहाल यह काम लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए हितकर नहीं है।

जयहिंद

समाजवादी पार्टी

समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

संघर्ष का संकल्प

बुलेटिन ब्यूरो

सामाजिक न्याय को विचार से ऊपर उठाकर आंदोलन बनाने के संकल्प के साथ समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक 18-19 मार्च को कोलकाता में संपन्न हुई। महंगाई, बेरोजगारी जैसे अहम मसलों से आम जनता को निजात दिलाने के लिए संघर्ष करने, देश को बचाने के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने व सामाजिक न्याय की लड़ाई को और धार देने के लिए समाजवादी पार्टी ने नया कल बनाने के लिए मजबूती से संघर्ष करने के संकल्प के साथ उठ खड़ा होने का साफ संदेश कोलकाता की बैठक से दिया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के बल पर यूपी में भाजपा को रोकने का संकल्प भी लिया।

पश्चिम बंगाल की धरती हमेशा से ही समाजवादियों के लिए उर्वरा का काम करती रही है। समाजवादी पार्टी के लिए पश्चिम बंगाल शुभ रहा है। यहां से जब भी समाजवादियों ने देश की दशा-दिशा बदलने के लिए बिगुल बजाया है, सत्ता की चाबी उसके हाथ में आई है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की राष्ट्रीय फलक पर बढ़ी सक्रियता ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी की इस बैठक को और महत्वपूर्ण बना दिया। तमाम दल भी यह समझ रहे हैं कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को रोकने की अगर कोई मजबूत उम्मीद है तो वह श्री अखिलेश यादव ही हैं। श्री अखिलेश यादव ने भी कार्यकारिणी की बैठक के अवसर पर राष्ट्रीय राजनीति में समाजवादी पार्टी की भूमिका को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया। उन्होंने साफ कर दिया कि सपा न सिर्फ भाजपा बल्कि कांग्रेस से भी समान दूरी रखेगी और क्षेत्रीय दलों के साथ तालमेल बनाते हुए लोकसभा के अगले चुनाव में भाजपा को मात देने की रणनीति पर काम करेगी। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में यह संकल्प लिया गया कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को सभी 80 सीटों पर उसे मात देनी है। इसके लिए पार्टी सामाजिक न्याय के अपने प्रण को और विस्तार से जमीन पर उतारेगी और जातीय जनगणना को बड़ा मुद्दा बनाते हुए भाजपा को बेनकाब करेगी।

पिछड़ों व दलितों के लिए सामाजिक न्याय के आंदोलन को हमेशा ही समाजवादी पार्टी ने आगे बढ़ाया है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने जातीय जनगणना कराने के मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाकर यह बता दिया है कि सामाजिक न्याय की पहली सीढ़ी जातीय जनगणना ही बनेगी। पिछड़ों-दलितों को उनका वास्तविक हक दिलाने के लिए जातीय जनगणना के मुद्दे पर जिस तरह श्री अखिलेश यादव ने माहौल तैयार किया है राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने उसका पुरजोर समर्थन करते हुए इसे और तेज करने का निर्णय लिया। लिहाजा स्पष्ट है कि जातीय जनगणना की यह लड़ाई आने वाले दिनों में देश की राजनीति की दशा-दिशा तय करने वाली बनेगी।

महंगाई, बेरोजगारी जैसे अहम मुद्दों पर पार्टी मुखर होकर संघर्ष करेंगी इसका भी निर्णय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। बैठक में कहा गया कि

समाजवादी पार्टी संघर्षों से निकली हुई पार्टी है लिहाजा जनता से जुड़े मुद्दों पर व्यापक संघर्ष को और तेज करना है। ऐसे में तय है कि आने वाले महीनों में समाजवादी पार्टी जनहित के मुद्दों पर सड़क पर उतरकर सरकार को घेरने की अपनी परिपाटी को और विस्तार देगी।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इसपर आम राय रही कि ईडी, सीबीआई जैसी संस्थाएं सिर्फ विपक्षी नेताओं पर कार्रवाई कर रही हैं और जो भी भाजपा में शामिल हो जाता है, उस पर कार्रवाई बंद हो जाती है।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की भाजपा के खिलाफ आक्रमकता आने वाले दिनों में देश की राजनीति को एक दिशा देने वाली बनने जा रही है। श्री यादव ने भाजपा को जिस तरह कई अहम मुद्दों पर घेरा है, उससे साफ लग रहा है कि लोकसभा चुनाव में यही मुद्दा बनने जा रहा है।

मसलन, कार्यकारिणी की बैठक के दौरान अपने संबोधन में श्री अखिलेश यादव का यह सवाल उठाना वाजिब रहा कि भाजपा को एक नहीं, चार चुनावी घोषणा पत्रों का जवाब देना होगा। 2014 में अच्छे दिन का वायदा, 2019 के लोकसभा चुनाव में सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास का वायदा के अलावा यूपी में हुए दो चुनावी घोषणा पत्र के बारे में भाजपा के पास कोई जवाब नहीं है।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कहा गया कि समाजवादी पार्टी का बुनियादी उसूल ही सामाजिक न्याय रहा है। यह एक ऐसी पार्टी रही है कि जिसने सत्ता की परवाह किए बिना हमेशा ही पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों के हुकूक के लिए लड़ाई लड़ी है। अगर देश-प्रदेश की राजनीति पर गौर किया जाए तो साफतौर पर यह पता चलेगा कि स्थापना काल से ही समाजवादी पार्टी ही एक ऐसी सियासी जमात है जिसने समाज के हर तबके के लिए आवाज बुलंद की है। समाजवादी सरकारों ने वोट की राजनीति से ऊपर उठकर सभी को सम्मान और अधिकार दिया है और पार्टी आगे भी इस परंपरा को कायम रखेगी।

दो दिवसीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता समेत कई राज्यों के अध्यक्ष व पदाधिकारी भी शामिल हुए।

जातीय जनगणना से ही सामाजिक न्याय संभव

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का स्पष्ट मानना है कि सबका साथ और सबका विकास तभी संभव है, जब सभी जातियों की गणना हो और उसके आंकड़े सामने आ जाएं। जातीय जनगणना के बाद ही सामाजिक न्याय हो सकता है। जातीय जनगणना की मांग को बड़ा मुद्दा बताते हुए अखिलेश यादव ने कहा है कि दक्षिण भारत के कई दल भी समाजवादी पार्टी की इस मांग से पूरी तरह सहमत हैं।

कोलकाता में आयोजित समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए व उसके बाद पत्रकारों से बातचीत में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने बेबाकी के साथ देश के ज्वलंत मुद्दों पर अपनी बात रखी।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी में संकल्प लिया है कि

लोकसभा चुनाव में वह अपने गठबंधन के सहयोगियों के साथ उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर भाजपा को हराएगी। उन्होंने कहा कि देश में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। सीमाओं पर स्थिति चिंताजनक है। भाजपा सरकार ने पूरे देश को संकट में डाला है। भाजपा शासित राज्यों में अन्याय और अत्याचार हो रहा है, केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ मजबूती से लड़ रहे राजनीतिक दलों पर प्रतिशोध के तहत ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स जैसी केंद्रीय एजेंसियों से छापे डलवाकर परेशान और छवि खराब करने का प्रयास हो रहा है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि देश की जनता जान चुकी है कि जो लोग भाजपा में शामिल हो जाते हैं, भाजपा की वैक्सीन ले लेते हैं, वे सीबीआई और ईडी से मुक्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसानों, नौजवानों, कर्मचारियों, व्यापारियों सभी से झूठे वादे किए हैं। अब उसके झूठे वायदों की पोल खुल रही है। भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने कहा कि केंद्र व यूपी की सरकारों को हटाना बेहद जरूरी है। जनता त्राहिमाम् त्राहिमाम् कर रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि देश विभिन्न राज्यों में भाजपा को हराने में क्षेत्रीय दल सक्षम हैं और मजबूती से लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव से पहले देश में कोई गठबंधन या मोर्चा जरूर तैयार होगा। देश को बचाने के लिए क्षेत्रीय ताकतें आपस में बातचीत कर रही हैं और सही वक्त पर फैसला लेंगी। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन समेत कई नेता इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। गठबंधन में कांग्रेस के बारे में पूछे गए एक सवाल पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस, राष्ट्रीय पार्टी है और राष्ट्रीय स्तर पर उसे अपनी भूमिका खुद तय करनी होगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह सच है कि अमेठी व रायबरेली में समाजवादी पार्टी हमेशा ही कांग्रेस को समर्थन देती रही है और अपने उम्मीदवार नहीं उतारती थी मगर कार्यकर्ता वहां चुनाव लड़ने की मांग कर रहे हैं।

कार्यकर्ताओं का कहना है कि चुनाव में हम कांग्रेस का साथ देते रहे हैं मगर जब किसी कार्यकर्ता पर संकट आता है या उसे प्रताड़ित किया जाता है तो कांग्रेस का कोई नेता मदद को नहीं आता। इसलिए आने वाले दिनों में अमेठी व रायबरेली में चुनाव लड़ने के मुद्दे पर कार्यकताओं व नेताओं से राय लेने के बाद फैसला लिया जाएगा।

कोलकाता में भव्य स्वागत

ममता से मिले अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होने के लिए पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता पहुंचे तो कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। बाद में उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी से शिष्टाचार भेंट की और तमाम राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की।

17 मार्च को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव कोलकाता पहुंचे। पार्टी के उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष किरनमय नंदा ने कार्यकर्ताओं के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। स्वागत के बाद श्री यादव श्री नंदा व पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव के साथ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता

बनर्जी से मुलाकात की। सुश्री बनर्जी ने भी श्री अखिलेश यादव का स्वागत किया। दोनों नेताओं में काफी देर तक राजनीतिक मुद्दों पर मंत्रणा हुई। सुश्री ममता बनर्जी से मुलाकात के अलावा श्री अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं की एक बैठक को भी संबोधित किया।

अपने कोलकाता दौरे में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कोलकाता के कालीघाट शक्तिपीठ मंदिर पहुंचकर काली मां के दर्शन-आरती कर सभी के कल्याण के लिए प्रार्थना की। वह मायापुर में चैतन्य महाप्रभु के जन्मस्थान इस्कान मंदिर भी दर्शन के लिए पहुंचे जहां पुजारियों व मंदिर प्रबंधन ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

2024 में होगा 'सत्यमेव जयते' का जनउद्घोष

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पारित राजनीतिक व आर्थिक प्रस्ताव में विश्वास जताया गया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का छल, प्रपंच और झूठ की राजनीति हारेगी और 'सत्यमेव जयते' का जनउद्घोष होगा। राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने देश के मौजूदा हालात पर विस्तार से चर्चा की।

18-19 मार्च को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की शुरुआत पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव-नेताजी को याद करते हुए हुई। कार्यकारिणी ने कहा कि हमें याद आता है कि सन 1992 में पार्टी की स्थापना के बाद श्री मुलायम सिंह यादव ने कोलकाता में ही पहली कार्यकारिणी की बैठक की थी। इसके बाद श्री मुलायम सिंह यादव, दूसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बन गए थे। उनके मार्गदर्शन में समाजवादी पार्टी ने राष्ट्रीय फलक पर भी सशक्त भूमिका निभाई है। खेद है कि नेताजी आज हमारे बीच नहीं हैं पर आज भी उनका आशीर्वाद हमें प्राप्त है। श्रद्धेय नेताजी ने अपना संपूर्ण जीवन समाजवाद और जनसेवा में समर्पित कर दिया था। उनका अन्याय के विरुद्ध निरंतर संघर्ष और सिद्धांत, निष्ठा आज भी समाजवादी विचारधारा के साथ कर्मपथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। नेताजी के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है।

मजबूती से लड़ेंगे, आशातीत सफलता मिलेगी

राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने प्रस्ताव पारित करते हुए कहा कि क्रांति और अध्यात्म की धरती पश्चिम बंगाल में वे छठी बार मिल रहे हैं। नेताजी सुभाष चंद्र बोस, रवींद्रनाथ टैगोर, रामकृष्ण् परमहंस और स्वामी विवेकानंद की इस भूमि ने हमेशा राजनीति और समाज को नई दिशा देने का काम किया है। उम्मीद है कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की इस बैठक में होने वाले विचार विमर्श से समाजवादी पार्टी को ऊर्जा मिलेगी।

पार्टी 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में पूरी मजबूती के साथ मैदान में उतरेगी और आशातीत सफलता प्राप्त करेगी। कार्यकारिणी ने आह्वान किया है कि 2024 लोकसभा व 2027 विधानसभा में श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी को प्रचंड जीत दिलाने के लिए कार्यकर्ता पूरी निष्ठा व प्रतिबद्धता के साथ लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जीजान से जुट जाएं। भाजपा को सत्ता से हटाना हमारा कर्तव्य भी है क्योंकि समाज का सभी तबका उससे नाराज है।

हक दिलाने के लिए जातीय जनगणना जरूरी

पारित प्रस्ताव में जातीय जनगणना के बारे में कहा गया है कि ब्रिटिश भारत में 1872 से 1931 तक जातिवार जनगणना होती रही है। आजादी के बाद पहली जनगणना 1951 में जातीय जनगणना की परंपरा छोड़ दी गई। हालांकि अनुसूचित जाति, जनजाति की गणना जारी रही। डा भीमराव अंबेडकर के प्रयास से भारतीय संविधान में ओबीसी जातियों के उत्थान के लिए अनुच्छेद 340 का विशेष प्रावधान किया गया था।

प्रस्ताव के मुताबिक, भारत में जाति एक यथार्थ है। समाजवादी पार्टी जातीय जनगणना की मांग इसलिए कह रही है ताकि समाज में हरेक को अपनी संख्या के आधार पर हक और सम्मान मिल सके। सामाजिक न्याय तभी स्थापित होगा लेकिन भाजपा ने हमेशा दलितों-पिछड़ों के साथ सौतेला व्यवहार किया है। भाजपा पिछड़ों, दलितों को रिजर्वेशन के लिए रिवोल्यूशन करने के लिए मजबूर कर रही है।

जिनका देश में कोई योगदान नहीं, राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ा रहे

पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि देश की नई पीढ़ी को यह घुट्टी पिलाई जा रही है कि देश के नवनिर्माण की तारीख सन 2014 से शुरू होती है। उसके पहले भारत भारत का अंधकार युग था। जिनका भारत की आजादी के आंदोलन और राष्ट्र निर्माण में

कोई योगदान नहीं रहा वे आज राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ा रहे हैं।

सन 2014 से 2022 तक के चुनावों में छलबल की राजनीति का नंगा नाच हमें देखने को मिला है। मतदाताओं को मायावी स्वप्न दिखाकर, बहकाकर, समाज में विभाजन करके जो सत्ता में काबिज हो गए उन्होंने सभी संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के साथ उनकी प्रासंगिकता को भी खत्म करने का काम किया है।

भूख-बेकारी पर विमर्श न होना चिंताजनक

प्रस्ताव में कहा गया है कि भूख, बेकारी, शिक्षा-स्वास्थ्य के क्षेत्र में बदहाली जैसे बुनियादी मुद्दों को विमर्श का मुद्दा नहीं बनने दिया जाता है। शिक्षा के बाजारीकरण ने दलितों, पिछड़ों के बच्चों के हाथ से कलम छीन लिया है। इन मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाकर अप्रासंगिक मुद्दों पर बहस कराई जाती है।

जौहर विश्वविद्यालय भाजपा की आंख की किरकिरी बना

प्रस्ताव में कहा गया है कि भाजपा की नफरती और विद्वेष की राजनीति का नतीजा है कि समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का योजनाबद्ध तरीके से उत्पीड़न किया जा रहा है। उन पर झूठे मुकदमें लादे जा रहे हैं। उनके घर व कालेज के भवनों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खां के साथ उनकी पूर्व सांसद पत्नी, पूर्व विधायक बेटे को फर्जी मुकदमें में फंसाया गया है। उन्हें जेल में यातनाएं दी गईं। मोहम्मद आजम खां साहब ने रामपुर में उच्च शिक्षा का केंद्र मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की स्थापना की जोकि राज्य सरकार की आंख की किरकिरी बन गया।

भय, असुरक्षा व सांप्रदायिकता का माहौल

प्रस्ताव में कहा गया है कि भारत में भय, असुरक्षा और सांप्रदायिकता का माहौल बनाकर समाज को बांटने का काम अंग्रेजी सरकार की तर्ज पर फूट डालो-राज करो की नीति से चल रहा है। राष्ट्रवाद की नई परिभाषाएं गढ़ी जा रही है।

लोकतंत्र में सत्ता पक्ष की तरह विपक्ष की भी भूमिका महत्वपूर्ण होती है। भाजपा राज में विपक्ष को डराने-धमकाने के लिए सरकारी एजेंसियों सीबीआई, ईडी,इनकम टैक्स का इस्तेमाल धड़ल्ले से किया जा रहा है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गहरे आघात हो रहे हैं।

नौकरियां खत्म करने का कुचक्र ताकि आरक्षण न देना पड़े

आरक्षण के बारे में प्रस्ताव में कहा गया है कि संविधान प्रदत्त आरक्षण की व्यवस्था वंचित, शोषित समाज के उत्थान और उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए की गई है। इस आरक्षण कोट को पूरा करने के बजाय नीतियों में बदलाव कर नौकरियां समाप्त करने का कुचक्र भी चल रहा है। सरकारी नौकरियों में जहां 27 प्रतिशत आरक्षण पिछड़ों के लिए और 22.5 प्रतिशत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों के लिए सुरक्षित है, उन्हें भी एक तरह से खत्म कर दिया गया क्योंकि अब भर्ती का काम आउटसोर्सिंग से होने लगा है जिसपर आरक्षण लागू नहीं होता है।

किसान-बेरोजगार परेशान, कोई पुरसाहाल नहीं

प्रस्ताव में कहा गया है कि किसानों व बेरोजगारों की हालत पर चिंता व्यक्त की गई। कहा गया कि किसानों की आय दोगुना करने का वायदा पूरा नहीं हुआ। वह कर्ज ले रहा है। मौसम की मार पर फसल बर्बाद होने पर कर्ज नहीं चुका पाता तो आत्महत्या करने को मजबूर हो जाता है। बेरोजगारी भी चरम पर है। नौजवानों का भविष्य अंधकारमय है। सरकारी आंकड़ों में रोजगार खूब बंट रहा है। देश भाजपा राज में बदहाल हो गया है।

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने आगामी लोकसभा चुनाव-2024 के मद्देनजर पूरे उत्तर प्रदेश में दौरे तेज कर दिए हैं। पिछले महीने पश्चिम व पूरब के दौरे के बाद मार्च महीने के शुरुआती हफ्ते में ही उन्होंने मैनपुरी समेत कई जिलों का दौरा कर कार्यकर्ताओं, नेताओं व आम जन में जोश भर दिया।

दौरों में जिस तरह आमजन की श्री अखिलेश यादव से मुलाकात की होड़ लगी हुई थी, वह यह बताने के लिए काफी है कि लोगों के लिए श्री यादव उम्मीद बन चुके हैं। पार्टी अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का एक ही संदेश है- लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी की सभी 80 सीटों पर विजय हासिल करना है। दौरों में जिस तरह पूरा उत्तर प्रदेश उनके साथ खड़ा दिखाई दे रहा है उससे साफ संकेत हैं कि समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव में सभी 80 सीटों पर जीत हासिल करने जा रही है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को मिल रहे अभूतपूर्व समर्थन से कार्यकर्ता भी उत्साहित हैं और चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं।

दौरे पर अखिलेश संग पूरा उत्तर प्रदेश

आजमगढ़

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 4 मार्च को आजमगढ़ दौरे पर ऐलान किया कि समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव में अपने गठबंधन के साथियों के साथ सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। भाजपा की नीतियों से आजिज जनता जिस तरह समाजवादी पार्टी को समर्थन दे रही है, उससे तय है कि सभी 80 सीटों पर समाजवादी पार्टी की जीत होने जा रही है। उन्होंने कहा कि मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव समाजवादी पार्टी ने बड़े अंतर से जीता है।

भाजपा अभी तक मैनपुरी चुनाव के हार का आकलन नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा को मैनपुरी में करारी हार इसलिए मिली क्योंकि उसके पास महंगाई, बेरोजगारी और किसान की आय दोगुनी करने के वायदे पर कोई जवाब नहीं था।

उन्होंने नौजवानों को आगाह किया कि वे 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाएं वर्ना भाजपा अग्निवीर जैसी आधी अधूरी नौकरी देगी। निजीकरण करेगी और आउटसोर्सिंग को बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा कि हमारा नौजवान वर्दी पहन कर देश की सेवा करना चाहता है। आधी अधूरी नौकरी नहीं चाहता है। नौजवानों को एक होकर देश और समाज को बचाने के लिए भारतीय जनता पार्टी को हटाना होगा।

पार्टी अध्यक्ष यहां पूर्व मंत्री बलराम यादव की पत्नी व विधायक डा संग्राम यादव की मां लल्ली देवी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। वह विधायक नफीस अहमद के आवास पर भी गए और उनकी भाभी के निधन पर दुख जताया।

अमेठी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने अमेठी की धरती से वहां की सांसद स्मृति ईरानी पर बिना नाम लिए जोरदार हमला बोला। रसोई गैस के दाम में बेतहाशा वृद्धि से चिंतित जनता के साथ खड़े होते हुए श्री अखिलेश यादव ने अमेठी की सांसद से पूछा कि गैस सिलेंडर लेकर प्रदर्शन करने वाली अमेठी की सांसद अब मौन क्यों हैं जबकि रसोई गैस के दाम आसमान छू रहे हैं। जनता परेशान है। उन्होंने अमेठी की जनता से अपील की कि इस बार सिलेण्डर वाली सांसद को जरूर हराना।

5 मार्च को पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति की बेटी की शादी में पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। उन्होंने

कार्यकर्ताओं से बात की और पत्रकारों के सवालों का जवाब दिया। उत्साहित कार्यकर्ताओं से श्री यादव ने कहा कि जनता की समस्याओं को लेकर संघर्ष जारी रहना चाहिए। अन्याय व अत्याचार का प्रतिकार करें ताकि अवाम को मुश्किलों से छुटकारा मिल सके।

उन्होंने यहां कहा कि भाजपा सरकार ने महंगाई बढ़ाकर गरीब, किसान, नौजवान और प्रदेश की जनता को तबाह कर दिया है। भाजपा सरकार ने त्योहार पर गैस सिलेण्डर के दाम बढ़ा दिए। बसों का किराया बढ़ा दिया। दूध का दाम बढ़ा दिया। बिजली की दर बढ़ने जा रही है। आटा, दाल, तेल सभी चीजों के दाम बढ़ गए। सरकार के पास कोई जवाब नहीं है।

उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति के साथ अन्याय हुआ है। उन्हें राजनीतिक षड्यंत्र के तहत विरोधियों ने फंसाया है। अदालत पर भरोसा है, प्रजापति को न्याय जरूर मिलेगा।

सीतापुर

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि बहुजन समाज पार्टी, बाबा साहब डा भीमराव अम्बेडकर व मान्यवर श्री कांशीराम के रास्ते से भटक गई है। भाजपा से बसपा मिली हुई है। उन्होंने कहा है कि बसपा भाजपा की बी टीम के रूप में काम करती है। विधानसभा के चुनाव में बसपा के प्रत्याशी भाजपा कार्यालय में तय होते रहे। उन्होंने कहा है कि बसपा के प्रत्याशी जीतने के लिए नहीं बल्कि समाजवादी पार्टी को रोकने के लिए उतारे जाते थे।

12 मार्च को सीतापुर में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष महेन्द्र वर्मा की प्रथम पुण्यतिथि पर महमूदाबाद में उनकी प्रतिमा के अनावरण करने समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, श्री रवि प्रकाश वर्मा पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री श्री नरेन्द्र वर्मा, अरविन्द सिंह गोप, उत्कर्ष सिंह वर्मा, डा राजपाल कश्यप, पूर्व मंत्री शैलेन्द्र यादव, एमएलसी जासमीर अंसारी, विधायक अनिल वर्मा, आनंद भदौरिया, पूर्व विधायक झीन बाबू आदि के साथ पहुंचे श्री अखिलेश यादव के पक्ष में अवाम उमड़ पड़ी। सबने समवेत स्वर से लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को

जिताने का वायदा किया।

संबोधन में पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा विपक्षी दलों को बदनाम करने के लिए ईडी और सीबीआई से छापा डलवाती है। विधानसभा चुनाव के दौरान कन्नौज के एक इत्र व्यवसायी के घर छापा पड़ा था।

भाजपा ने झूठा प्रचार किया कि समाजवादी पार्टी के इत्र बनाने वाले उद्योगपति के घर पैसा मिला जबकि बाद में वह भाजपा का ही व्यक्ति निकला तो भाजपा ने चुप्पी साध ली। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव से पहले विपक्षी दलों और उनके नेताओं को बदनाम करने की रणनीति के तहत छापे डलवाती है। जिन नेताओं पर सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स के आरोप थे, वह भाजपा में चले गए तो सुरक्षित हो गए, अब उनके यहां छापे नहीं पड़ते।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है, लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। भाजपा ने किसानों की आय दोगुना करने का झूठा वादा किया। आज आलू किसान परेशान है। कोल्ड स्टोरेज के सामने लम्बी-लम्बी लाइनें लगी हुई है।

बाराबंकी, कन्नौज, फर्रुखाबाद, बदायूं, आगरा सभी जिलों का यही हाल है। भाजपा सरकार ने किसानों का आलू नहीं खरीदा। 2024 के लोकसभा चुनाव में यही किसान और नौजवान भाजपा को हराएंगे।

बिजनौर

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने बिजनौर में भाजपा पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि योगी सरकार में विपक्षी नेताओं के मकानों पर बुलडोजर चल रहा है जबकि भाजपा नेताओं के अवैध मकान उसे नहीं दिख रहे हैं।

13 मार्च को बिजनौर पहुंचे श्री अखिलेश यादव का पुष्प वर्षा का भव्य स्वागत किया गया। सांसद एचटी हसन व पूर्व विधायक शेख सुलेमान ने हेलीपैड पर उनका खैरमकदम किया। यहां, कार्यकर्ताओं व आमजन का हुजूम, श्री अखिलेश यादव की एक झलक पाने के लिए बेताब दिखा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है, लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। भाजपा ने किसानों की आय दोगुना करने का झूठा वादा किया। आज आलू किसान परेशान है

श्री यादव नगीना विधायक मनोज पारस के बेटे की शादी में पहुंचे और वर-वधु को आशीर्वाद दिया। अफजलगढ व धामपुर में श्री यादव ने जिलाध्यक्ष समेत कई नेताओं के आवास पर जाकर परिवारीजनों से मुलाकात की। श्री यादव ने नगीना चौक स्थित दिवंगत समाजवादी नेता शेर अली के आवास पर जाकर परिवार को सांत्वना दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने समाजवादी नेता कपिल गुर्जर के शुगर मिल कालोनी स्थित आवास पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उन्हें चुनाव के लिए तैयारी में जुट जाने को कहा।

पत्रकारों से मुलाकात पर श्री यादव ने सवालों के जवाब में कहा कि बहुजन समाज पार्टी, भाजपा को हराना नहीं चाहती है। उसका लक्ष्य है समाजवादी पार्टी हारे। बसपा के लोग बाबा साहब भीमराव अंबेडकर व मान्यवर कांशीराम के रास्तों को भूल गए हैं। उन्होंने कहा कि जनता को अब सावधान रहना होगा। लोकतंत्र व संविधान को बचाने के लिए सभी को समाजवादी पार्टी को मजबूत करना होगा।

अफजलगढ से धामपुर तक जिस तरह अवाम श्री अखिलेश यादव को देखने, मुलाकात करने के लिए उमड़ी थी, उसे देखकर कार्यकर्ताओं का उत्साह आकाश छू रहा था। बिजनौर दौरे के बाद कार्यकर्ताओं में जोश का संचार हुआ और वे लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गए ताकि जनता के रुझान को देखते हुए समाजवादी पार्टी को जिताया जा सके।

दक्षिण को भाए उत्तर के अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की सौम्यता, विकासपरक सोच, स्पष्टवादिता और सांप्रदायिक ताकतों से लड़ने की उनकी क्षमता ने राष्ट्रीय राजनीति में उनका कद बढ़ा दिया है। राष्ट्रीय राजनीति में विपक्षी दलों के बीच वह ध्रुवतारा बनकर उभरे हैं।

मार्च के महीने में तमिलनाडु यात्रा के दौरान जिस तरह उनका भव्य स्वागत हुआ है उससे साबित हो गया कि उत्तर भारत के अखिलेश यादव के कामकाज का तरीका, उनकी साफ सुथरी छवि और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की उनकी कला ने दक्षिण भारतीयों के दिल भी जीत लिए हैं। श्री यादव दक्षिण भारतीयों को भा गए हैं। यह संकेत है कि लोकसभा चुनाव के बाद सत्ता की चाबी श्री अखिलेश यादव के हाथ में ही होगी और राष्ट्रीय राजनीति उनके ईद-गिर्द ही घूमेगी।

इस वर्ष जनवरी में ही यह स्पष्ट हो गया था कि

विपक्षी दलों को भी श्री अखिलेश यादव में उम्मीद दिख रही है। उन्हें लग रहा है कि यही वह लोकप्रिय नेता हैं जोकि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करेंगे इसीलिए तेलंगाना में मुख्यमंत्री केसीआर ने अपने प्रदेश में 18 जनवरी को आयोजित आमसभा में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को आमंत्रित कर भव्य स्वागत किया था।

तेलंगाना के बाद दक्षिण भारत के महत्वपूर्ण राज्य तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डी.एम.के. के अध्यक्ष श्री एम.के. स्टालिन ने 2 मार्च को अपने जन्मदिन समारोह में श्री अखिलेश यादव को आमंत्रित कर न सिर्फ भव्य स्वागत किया बल्कि साझा आम सभा में विशिष्ट अतिथि बनाकर संकेत दे दिए कि राष्ट्रीय राजनीति में उनका कद काफी बड़ा है। यहां आमसभा में द्रमुक के साथ ही समाजवादी पार्टी के झण्डों का लहराना साबित कर गया कि पार्टी का परचम दक्षिण में भी महत्व रखने लगा है।

तमिलनाडु की दो दिन की यात्रा पर चेन्नई पहुंचे श्री अखिलेश यादव का समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिस तरह स्वागत-अभिनंदन किया, वह अभूतपूर्व था। यहां श्री यादव ने तमिलनाडु के अलावा केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना के समाजवादी नेताओं से गर्मजोशी से भेंट करने के बाद समाजवादी पार्टी के विस्तार के बारे में सार्थक विमर्श किया।

तमिलनाडु में साझा आम सभा में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि तमिलनाडु सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष की धरती रही है। सामाजिक न्याय के लिए एक मंच तैयार करने में स्टालिन जी का प्रयास प्रशंसनीय है। श्री एम.के. स्टालिन ने तमिलनाडु के विकास के लिए बेहतरीन काम किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि श्री एम.के. स्टालिन की राष्ट्रीय स्तर पर भी बड़ी भूमिका होगी।

श्री अखिलेश यादव ने साझा मंच से भाजपा पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने विपक्षी नेताओं के बीच कहा कि आज लोकतंत्र और संविधान दोनों को चुनौतियां मिल रही है। संविधान में वर्णित पंथ निरपेक्षता की अवहेलना हो रही है। जनता सब देख-सुन रही है। महंगाई व बेरोजगारी ने जनता की कमर तोड़ दी है। उसके सामने भाजपा सरकार की नीतियों के लगातार पोल खुल रही है। जनता इंतजार कर रही है कि 2024 का लोकसभा चुनाव आए तो वह भाजपा को करारा जवाब दे। जनता भाजपा को हराने के लिए तैयार बैठी है। वह जानती है कि भाजपा हारेगी तभी उसका व देश का भला हो सकेगा।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का राष्ट्रीय राजनीति में बढ़ता दखल मार्च के महीने में गुजरात व गुरुग्राम के दौरे से भी झलकता है। गुजरात में उन्हें जहां पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह बाघेला ने एक निजी कार्यक्रम में आमंत्रित कर भव्य तरीके से उनका स्वागत किया वहीं गुरुग्राम में पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के यहां एक वैवाहिक समारोह में उन्हें अपनत्व के साथ आमंत्रित कर उनके बढ़ते कद का एहसास कराया गया।

सैफई ने नहीं खेली होली नेताजी को किया नमन

बुलेटिन ब्यूरो

होली पर इस बार सैफई उदास रहा। नेताजी की याद में सैफई में इस बार अबीर-गुलाल, रंगोत्सव नहीं हुआ। सैफई नेताजी के साथ खेली गई होली को याद कर गमजदा रहा। सबने नेताजी को नमन कार्यक्रम के जरिये होली के दौरान सैफई में मौजूद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात की।

सैफई में नेताजी की होली काफी मशहूर रही है। पूरा परिवार एक साथ इकठ्ठा होकर नेताजी के साथ होली खेलता था। नेताजी भी रंगोत्सव में ऐसा डूब जाते थे कि छोटा-बड़ा

सब उनके ईद-गिर्द ही होली के उल्लास में रम जाता था।

होली इस बार भी आई। 8 व 9 मार्च को परंपरा के अनुसार पूरा परिवार सैफई में जुटा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव, सांसद श्रीमती डिम्पल यादव, समाजवादी पार्टी के प्रमुख महासचिव प्रो रामगोपाल यादव, राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, पूर्व सांसद धर्मेन्द्र यादव समेत पूरा परिवार सैफई पहुंचा मगर नेताजी की कमी सभी को खल गई। किसी ने होली नहीं मनाई। नेताजी के गम में पूरे सैफई में इस बार होली का रंग फीका रहा।

नेताजी को याद करते हुए नेताजी को नमन कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें बड़ों-छोटों ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से भेंट की। बड़ों ने उन्हें आशीर्वाद दिया जबकि छोटों को श्री अखिलेश यादव का आशीर्वाद मिला। होली पर नेताजी को याद करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव कुछ इस तरह ट्वीटर पर नेताजी को याद करते हुए लिखा-

अबकी इन फूलों के रंग कहां उतने गहरे लगते हैं
इस बार तो मेलों के झूले भी ठहरे-ठहरे लगते हैं।

इस शेर में इतना दर्द छिपा हुआ है कि जिसने भी इसे पढ़ा उसकी आंखें नम हो गईं।

श्री अखिलेश यादव समेत वहां जुटे सभी लोगों ने श्रद्धेय नेताजी को नमन किया। समाधिस्थल पर जाकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्री अखिलेश यादव से मुलाकात करने वालों में पार्टी पदाधिकारी, व्यापारी, अधिवक्ता, प्रोफेसर, युवा, छात्र, महिलाएं, शिक्षक व अल्पसंख्यक समाज के लोग शामिल भी थे। कवि, शायरों, पत्रकारों तथा कलाकारों ने भी समाजवादी पार्टी के मुखिया से मिलकर होली की बधाई दी।

होली पर बुजुर्गों का आशीर्वाद तो मिला ही, नौजवानों ने संघर्ष में साथ देने का वायदा भी दोहराया।

कर्नाटक विधानसभा में नेताजी को श्रद्धांजलि

बुलेटिन ब्यूरो

कर्नाटक विधानसभा के 14 वें सत्र में समाजवादी पार्टी के संस्थापक दिवंगत मुलायम सिंह यादव-नेताजी को श्रद्धांजलि दी गई। 15 वीं विधानसभा के सदस्यों ने नेताजी के संघर्षों को याद करते हुए मौन रहकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

19 दिसंबर 2022 को कर्नाटक विधानसभा में पारित शोक प्रस्ताव में कहां गया है कि 22 नवंबर 1939 को उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के सैफई में जन्में श्री मुलायम सिंह यादव ने पिछड़ों, शोषितों व अल्पसंख्यकों के हितों के लिए बहुत काम किया। पेशे से किसान श्री मुलायम सिंह यादव इमरजेंसी के दौरान जेल भी गए। बाद में श्री मुलायम सिंह यादव नेताजी के नाम से प्रसिद्ध हुए। 10 बार विधायक व 7 बार लोकसभा सदस्य रहे श्री मुलायम सिंह यादव तीन बार यूपी के मुख्यमंत्री रहे और एक बार केंद्रीय रक्षा मंत्री के दायित्व को भी उन्होंने बखूबी निभाया।

सदस्यों को नेताजी के जीवन व कृतित्व से अवगत कराने के बाद विधानसभा अध्यक्ष श्री विश्वेश्वर हेगड़े ने सदस्यों से मौन रखने का आग्रह किया। कर्नाटक विधानसभा के सभी सदस्यों ने नेताजी के सम्मान में मौन रहकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

KARNATAKA LEGISLATIVE ASSEMBLY

FIFTEENTH ASSEMBLY

(FOURTEENTH SESSION)

"Extract from the Proceedings of the Karnataka Legislative Assembly held on 19th December, 2022"

The Business of the House commenced at 11.05 A.M. under the Chairmanship of **Sri Vishweshwar Hegde, Kageri, Hon'ble Speaker** in the meeting hall of the Legislative Assembly of Suvarna Vidhana Soudha at Belagavi.

OBITUARY REFERENCE

Sri Mulaya Singh Yadav, Former Chief Minister of Uttar Pradesh was born on 22.11.1939 at Saifai village of Etawah District. He obtained B.A., B.T. and M.A. degree in Political Science and was an Agriculturist by profession. He made his mark in politics for five and a half decade. He was popularly known as 'Netaji' in the political circle, as he gave importance to the lower castes and had concern towards minorities. He was jailed during the Emergency. He entered Uttar Pradesh Legislative Assembly for the first time in 1967 and was elected to Uttar Pradesh Legislative Assembly 10 times, once to the Uttar Pradesh Legislative Council and seven times as Lok Sabha Member. He served at Leader of Opposition in Uttar Pradesh Legislative Council and the Legisltive Assembly, 3 times as Chief Minister of Uttar Pradesh and also as Union Defence Minister.

An eminent senior politician of country with a wonderful personality, Sri Mulayam Singh Yadav was demised on 10.10.2022.

(Hon'ble Members observed a minute of silence as a mark of respect to the deceased)

(Vishweshwar Hegde, Kageri)
Speaker
Karnataka Legislative Assembly

पिछड़ों ने बांधी गांठ...

समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की संगोष्ठियां आयोजित

बुलेटिन ब्यूरो

संसोपा ने बांधी गांठ, पिछड़ा पावे सौ में साठ, यह नारा फिर जोर पकड़ चुका है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की जातीय जनगणना की मांग ने पिछड़ों-दलितों में ऐसी चेतना पैदा कर दी है कि मांग के समर्थन के लिए हो रहे सम्मेलनों को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर प्रथम चरण में 24 फरवरी से 5 मार्च तक प्रदेश के ब्लाकों पर जातीय जनगणना की मांग के समर्थन में समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की ओर से सम्मेलन-संगोष्ठियां की गईं।

पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डा राजपाल कश्यप जातीय जनगणना की जरूरत के बारे में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के मंतव्य को विस्तार से बताकर मांग के समर्थन में उठ खड़े होने का आह्वान कर रहे हैं।

वाराणसी: सरकार बनते ही जातीय जनगणना भूल जाती है भाजपा

जातीय जनगणना संगोष्ठी की शुरुआत वाराणसी जिले के सेवापुरी ब्लॉक से हुई। यहां के परमपुर गांव में पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डा राजपाल कश्यप ने विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जब जातियों की गिनती नहीं हुई है तो पिछड़े, वंचित समाज का भला या अधिकार कैसे मिल सकता है। भाजपा सरकार विपक्ष में रहते समय जातीय जनगणना कराने का

भरोसा देती है और सरकार बनते ही भूल जाती है। मंडल आयोग ने भी जातीय जनगणना की जरूरत बताई थी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा भी कई बार जातियों के आंकड़ों की मांग की गई।

संगोष्ठी में पूर्व मंत्री सुरेंद्र पटेल चौधरी, लालता प्रसाद निषाद पूर्व विधायक, निवर्तमान जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ आदि शामिल रहे। दूसरे दिन वाराणसी के हरहुआ, पिण्डरा, चोलापुर व चिरईगांव ब्लॉक के व्यासबाग, हनुमान मंदिर, भेलखा, तरना में संगोष्ठी हुई। महिलाओं की भारी संख्या ने अभियान को बल दिया। डॉ कश्यप ने बताया कि 31 बिंदुओं पर जनगणना का कार्य किया जा रहा है। जनगणना में मकान, वाहन, हैंडपंप, बिजली, पशु, पेड़ आदि की जानकारी मांगी जा रही है तो उसी में जाति भी पूछ ली जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा इसलिए भाग रही है क्योंकि लड़ाकर राजनीति करना इनका पेशा है। संगोष्ठी की अध्यक्षता वंशराज पटेल प्रधान व संचालन निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष विवेक यादव ने किया जबकि पूर्व मंत्री मनोज राय धूपचंडी, पूर्व प्रत्याशी शिवपुर विधानसभा आनंद मोहन आदि मौजूद रहे। शास्त्री घाट पर संगोष्ठी में 100 वार्डों के कार्यकर्ताओं ने हाथ उठाकर मांग का समर्थन किया।

सोनभद्र: जातीय जनगणना से नीति बनाना होगा आसान

जातीय जनगणना की मांग को लेकर समाजवादियों का यह कारवां 26 फरवरी को सोनभद्र के चतरा ब्लॉक के आदिवासी बाहुल्य गांव किरहुलिया व घोटावल विधानसभा के ग्राम बहेरा पहुंचा। यहां संगोष्ठी में बताया गया कि जातीय जनगणना हो जाने से नीति निर्धारण में स्पष्टता और पारदर्शिता आएगी।

संगोष्ठी में अविनाश कुशवाहा पूर्व विधायक, विजय यादव निर्वतमान जिलाध्यक्ष आदि मौजूद थे। 27 फरवरी को जातीय जनगणना की मांग को लेकर सोनभद्र जिले के चोपन ब्लॉक के करगरा व विधानसभा क्षेत्र दुद्धी के म्योरपुर गांव संगोष्ठी हुई। यहां डा कश्यप ने बताया कि 1931 की अंतिम जनगणना में जातियों को भी गिना गया था, तब देश को पता चल सका कि इस देश में कौन सी जातियां कितनी शिक्षा, रोजगार संसाधन, जमीन का मालिकाना हक या सम्पन्नता पा सकीं। गरीबों में सबसे हाशिये पर कौन है? बेघर कौन लोग हैं? अशिक्षित कौन रह गया।

डॉ कश्यप ने बताया कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने दो सीटें आदिवासी समाज के लिए आरक्षित कराईं जिससे विधानसभा में हर वर्ग, समाज के व्यक्ति का प्रतिनिधित्व हो सके। संगोष्ठी में मुख्य रूप से सुनील गौड पूर्व प्रत्याशी ओबरा विधानसभा, विजय सिंह गोंड पूर्व मंत्री, विजय यादव निर्वतमान जिला अध्यक्ष आदि मौजूद थे।

मिर्जापुर: ओबीसी व सवर्णों को गिनने से परहेज क्यों

28 फरवरी व 1 मार्च को समाजवादियों का यह दल मिर्जापुर जनपद पहुंचा। पहले दिन छानबे ब्लॉक के आदिवासी गांव गेपुरा करगरा व जरेला कलना में तो दूसरे दिन स्टेशन रोड व सदर ब्लॉक के ग्राम सभा भटोली, मंझवा ब्लॉक के ग्राम कछुआ में संगोष्ठी हुई।

डा राजपाल कश्यप ने बताया कि आजादी के बाद एक संकल्पना यह है कि भारत को जाति, धर्म, भाषा लिंग जैसे किसी भी विभाजन से मुक्त बनाएंगे मगर सच है कि धर्म लिंग भाषा सब कुछ जनगणना में गिने जाते रहे हैं मगर ओबीसी और सवर्णों को गिनने से परहेज किया गया।

भारत जैसे देश को न्याय पर आधारित बनाने के लिए सबके बारे में जानना जरूरी है। संगोष्ठी में मुख्य रूप देवी प्रसाद चौधरी निवर्तमान. जिलाध्यक्ष, धर्मेंद्र मौर्य निवर्तमान जिलाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ आदि मौजूद रहे।

भदोही: हक देने व संख्या बताने से बच रही भाजपा

2 व 3 मार्च को पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजपाल कश्यप का दल भदोही जिला पहुंचा। नगर पंचायत खमरिया व औराई ब्लाक के ग्राम नरथुआ, सुरियावां ब्लाक के ग्राम छनोरा व भदोही ब्लाक के ग्राम हरियांव, हंडिया, सिरसा नगर पंचायत व केरलाबाग में संगोष्ठी की गई।

संगोष्ठियों में डॉ. राजपाल कश्यप ने बताया कि भाजपा ने हमेशा पिछड़ों, शोषितों, वंचितों के कंधों पर अपनी सियासी बंदूक चलाई है। अब अधिकार और संख्या बताने की बारी आई तो जातीय जनगणना से बच रही है। समाजवादियों की पुरानी मांग रही है कि जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी। 'संसोपा ने बांधी गांठ, पिछड़े पावे सौ में साठ।' संगोष्ठी में मुख्य रूप से प्रदीप यादव जिलाध्यक्ष, मोहम्मद आरिफ सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

प्रयागराज: वंचितों के विकास के लिए जातीय गणना जरूरी

दसवें दिन 5 मार्च को पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजपाल कश्यप प्रयागराज पहुंचे। यहां फूलपुर ब्लाक के ग्राम बिरकाजी व श्रृंगवेरपुर में महाराज निषाद जी के मूर्ति स्थल पर संगोष्ठी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के मंतव्य को बताते हुए डा कश्यप ने बताया कि जातीय जनगणना से आरक्षण के साथ-साथ हाशिये पर रहने वाले वंचित लोगों की संख्या का आंकलन कर उनके लिए समुचित विकास करने का एक सफलतम प्रयास किया जा सकेगा।

संगोष्ठी में मुख्य रूप से योगेश यादव निवर्तमान जिलाध्यक्ष, धर्मराज पटेल पूर्व सांसद, संदीप पटेल विधायक आदि मौजूद रहे।

पिछड़ों-दलितों को आरक्षण का हक देने में भाजपा हमेशा ही आनाकानी करती रही है। निकाय चुनाव में आरक्षण की अनदेखी के बाद एक बार फिर शिक्षक भर्ती में आरक्षण को लेकर भाजपा की नीति व नीयत की पोल खुल गई।

हाईकोर्ट ने भी माना कि 69 हजार शिक्षक भर्ती-2018 में आरक्षण के नियमों का पालन नहीं किया गया। इस आदेश के बाद स्पष्ट हो गया है कि समाजवादी पार्टी सच कहती है कि

69 हजार शिक्षक भ

नियमों का पालन न

6800 शिक्षकों की चयन सूची रद

रिव्यू के दौरान काम करते रहें

शिक्षक भर्ती

भाजपा राज में आरक्षण गोल

भाजपा सरकार का चाल, चरित्र, चेहरा आरक्षण विरोधी है।

पिछड़ों-दलितों को हक दिलाने के लिए समाजवादी पार्टी ने हमेशा ही आवाज बुलंद की है। समाजवादी पार्टी कहती रही है कि आरक्षण के नियमों का सही से पालन किया जाए ताकि यह तबका भी समाज में अपना अधिकार पा सके मगर बार-बार यह सामने आता रहा है कि आरक्षण के नियमों को भाजपा सरकार ताक पर रख देती है। हाल ही में निकाय चुनाव में आरक्षण दिए जाने में भाजपा की नीयत उजागर हुई थी।

अब शिक्षक भर्ती में आरक्षण के नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। हाईकोर्ट ने भर्ती रद्द कर फिर से भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा करने का आदेश दिया है। समाजवादी पार्टी ने पिछड़ों व दलितों को उनका हक दिलाने के लिए फिर से आवाज बुलंद की है।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद भर्ती में वंचित अभ्यर्थियों की लड़ाई का समर्थन करते हुए 15 मार्च को समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने पत्रकारों के सामने भाजपा की चाल, चरित्र व नीयत की पोल खोली।

उन्होंने आरोप लगाया कि बेसिक शिक्षा परिषद की 69 हजार शिक्षक भर्ती-2018 में बड़े पैमाने पर आरक्षण का घोटाला हुआ। भर्ती घोटाले के कारण हजारों की संख्या में अति पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति के अभ्यर्थी नियुक्ति पाने से वंचित रह गए।

उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग में याचिका दायर की। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने माना कि 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण नियमों का पालन नहीं हुआ। सरकार ने भी यह बात स्वीकार की। 6800 पिछड़े और दलित वर्ग के अभ्यर्थियों को भर्ती में शामिल करने के लिए सूची भी बनी लेकिन नियुक्ति पत्र नहीं दिया गया। अदालत में भी सरकार ने लचर पैरवी की।

उन्होंने कहा है कि साफ जाहिर होता है कि भाजपा सरकार दलित, पिछड़ा विरोधी है। यह सरकार नौकरियों के आरक्षण को विधायी मायाजाल में फंसाती है। उन्होंने कहा है कि यह साफ हो गया है कि भाजपा सरकार में हुई भर्तियों में आरक्षण नियमावली का पालन नहीं किया गया।

श्री पटेल ने कहा है कि समाजवादी पार्टी आरक्षण के पात्र 6800 अभ्यर्थियों के साथ है। पात्र अभ्यर्थियों को सरकार द्वारा तुरंत नियुक्ति पत्र दिया जाना चाहिए।

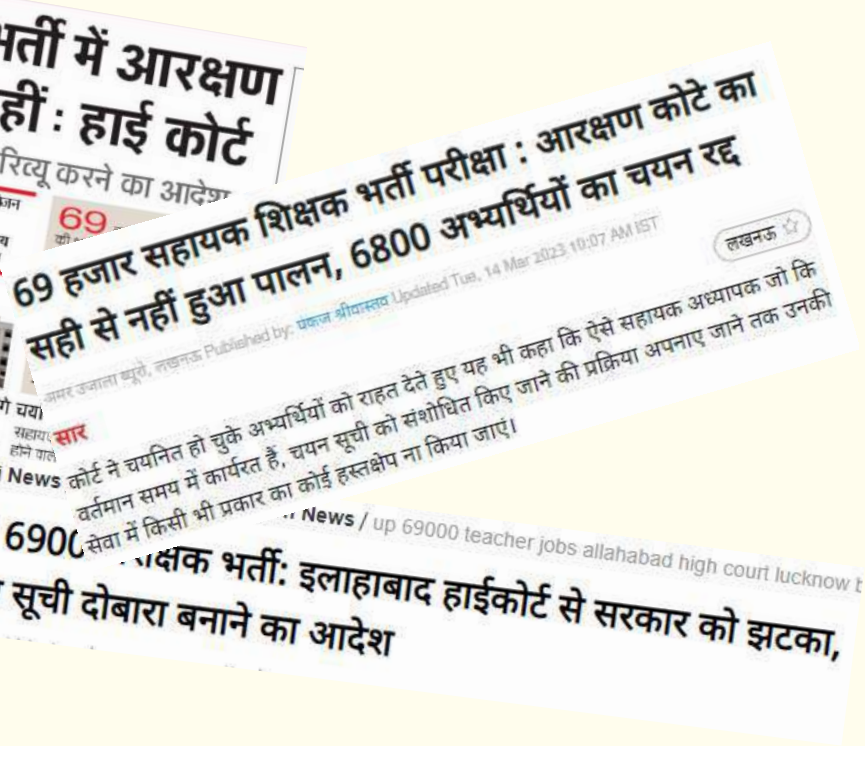

भाजपा के खिलाफ डटा है समाजवादी नौजवान

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में नौजवानों के भविष्य के आगे अंधेरा है। रोटी-रोजगार की कोई व्यवस्था नहीं है। समाज का हर तबका भाजपा सरकार में परेशान है। उद्वेलित है। समाज नौजवानों की ओर देख रहा है। नौजवान भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ खड़ा है। नौजवानों ने हमेशा ही लड़ाई लड़ी है और आगे भी वह समाज से अन्याय, अत्याचार के खिलाफ लड़ता रहेगा। नौजवानों ने हमेशा ही परिवर्तन के खिलाफ क्रांति की है। उन्होंने समाजवादी पार्टी से जुड़े नौजवानों का आह्वान किया है कि बिना किसी प्रलोभन और भय के अन्याय का उन्हें कड़ा विरोध करना है।

10 मार्च को लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी मुख्यालय पर जुटे समाजवादी युवा प्रकोष्ठ के नेताओं-कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने उन्हें भाजपा के चरित्र, समाज विरोधी नीतियों, महंगाई, बेरोजगारी आदि मुद्दों पर कई टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में भाजपा की हार और समाजवादी पार्टी की जीत में नौजवानों ने सक्रिय भूमिका निभाई थी। भाजपा की तमाम साजिशें मैनपुरी में सफल नहीं हो सकी।

उन्होंने युवा संगठनों के नेताओं-कार्यकर्ताओं को भाजपा की नीतियों को सिलसिलेवार बताते हुए कहा कि पार्टी किसानों, नौजवानों, महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों के लिए हमेशा आवाज उठाती रही है। उन्होंने बताया कि महंगाई भाजपा के कारण है। उन्होंने सवाल पूछा कि किसान की आय दोगुनी कहां हुई? 2023 में भी इस दिशा में किसी सरकारी प्रयास का संकेत नहीं मिला है। हां, किसानों की आय दोगुना करने का झूठा ढिंढोरा जरूर पीटा जाने लगा है। गन्ना किसान का कोई पूछने वाला नहीं है। अभी भी गन्ना किसानों का 6 हजार करोड़

रूपए से ज्यादा बकाया है। गन्ना बकाये पर ब्याज का भी प्रावधान है लेकिन यहां तो मूलधन के ही लाले पड़े हैं।

उन्होंने आरोप लगाया है कि सत्ता का दुरुपयोग कर भाजपा लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ कर रही है। देश में संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। सरकारी एजेंसियों ईडी, इनकम टैक्स और सीबीआई का उपयोग सत्ता विरोधी विपक्ष को डराने-धमकाने और समाजवादी पार्टी को बदनाम करने के लिए किया जाने लगा है। बुलडोजर से डराना भाजपा का एजेण्डा है। भाजपा की इन्हीं कुनीतियों के चलते समाज का हर वर्ग परेशान है और अब वह भाजपा सरकार से छुटकारा पाना चाहता है। उन्होंने नौजवान साथियों को बताया कि आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर भाजपा का हारना तय है। समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव में विजयी होगी क्योंकि जनता समाजवादी पार्टी के साथ है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए नये महाभारत के युद्ध में समाजवादी पार्टी तैयार है। उन्होंने कहा कि इस युद्ध में समाजवादी पार्टी जनता के साथ है।

उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय के लिए जातीय जनगणना बेहद जरूरी है। सभी को हक और सम्मान तभी मिल सकेगा जब जातीय गणना के आधार पर उनके साथ न्याय होगा।

युवा संगठनों के प्रमुख नेताओं की बैठक में राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, विधायक रविदास मेहरोत्रा तथा पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा के साथ ही समाजवादी युवजन सभा के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद फहाद, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द गिरि, समाजवादी छात्र सभा के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह देव, यूथ ब्रिगेड के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अनीस राजा आदि मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश

सपा ने विधानसभा का घेराव किया

बुलेटिन ब्यूरो

संघर्ष करने के लिए जाने जाने वाले समाजवादियों ने मध्य प्रदेश सरकार की नीतियों के विरोध में हुंकार भरते हुए विधानसभा का घेराव किया। समाजवादी पार्टी के प्रदर्शन को दबाने के लिए सरकार ने पुलिस बल का इस्तेमाल करना चाहा मगर समाजवादियों के आगे एक न चल सकी। बेरोजगारी, महंगाई के खिलाफ व किसानों, नौजवानों की मांगों को लेकर समाजवादियों ने विधानसभा का घेराव कर अपना विरोध जताया।

मध्य प्रदेश समाजवादी पार्टी ने सरकार की नीतियों के खिलाफ 2 मार्च को विधानसभा का घेराव कर जनआंदोलन का ऐलान किया था जिसपर पूरे मध्यप्रदेश के 45 जिलों के अध्यक्ष व युवा संगठनों के अध्यक्ष भोपाल पहुंच गए थे। समाजवादियों के भोपाल पहुंचने से रोकने की भी कोशिश की गई मगर समाजवादी नहीं माने। भोपाल स्थित पार्टी कार्यालय के खुले मैदान में समाजवादियों ने सभा की और मध्य प्रदेश सरकार को उसकी जनविरोधी नीतियों को लेकर जमकर घेरा। सपा नेताओं ने कहा कि अब देश को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से ही उम्मीदें हैं। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की

जीत के बाद देश के नौजवानों, किसानों का भला हो सकेगा।

मध्य प्रदेश समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष रामायण सिंह पटेल ने कहा कि प्रशासन नहीं चाहता था कि समाजवादी पार्टी विधानसभा का घेराव करने पहुंचे लेकिन हम पुलिस की लाठियों से डरने वाले नहीं है।

उन्होंने विधानसभा घेरने आए उत्साही कार्यकर्ताओं से अपील की कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के हाथ मजबूत करें ताकि आगामी मध्य प्रदेश चुनाव में समाजवादी पार्टी की सत्ता में भागीदारी हो सके। बाद में समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष रामायण सिंह पटेल ने जनसमस्याओं को लेकर एक ज्ञापन अधिकारियों को सौपा।

विधानसभा घेराव करने वालों में प्रमुख रूप से वरिष्ठ उपाध्यक्ष आरएस यादव, महासचिव इन्द्रभान यादव, प्रदेश प्रवक्ता शमसुल हसन, कमल सिंह रघुवंशी, छात्रसभा अध्यक्ष अभिजीत रघुवंशी, प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वनाथ सिंह मरकाम, शहर जिला अध्यक्ष तौसदीक अहमद, शहर महिला अध्यक्ष शमा तनवीर, मोहनी देवी, देवेन्द्र सिंह पटेल आदि शामिल हुए।

सोनभद्र में समाजवादियों का प्रदर्शन

बुलेटिन ब्यूरो

सिलेंडर और थाली लेकर जताया विरोध

निराशा

- सपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार पर लगाया आम जनता का शोषण का आरोप
- कहा, महंगाई से राहत के लिए नहीं हुई घोषणा सिलेंडर का दाम गरीब के बजट से दूर

गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने पर सपाइयों का प्रदर्शन

राबर्ट्सगंज में बजट के विरोध में प्रदर्शन करते सपा कार्यकर्ता। संवाद

बजट के विरोध में सपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

संवाद न्यूज एजेंसी

आरटीएस क्लब के समीप लगाए नारे

सोनभद्र। सपा कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को आरटीएस क्लब के समीप विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश सरकार के बजट को छलावा करार देते हुए नारे लगाए।

पूर्व जिला सचिव प्रमोद ... जबकि सिलिंडर, खाद-बीज महंगा है। बजट दिशाहिन है प्रदेश में अपराध बढ़ रहा है। सरकरी तंत्र आम लोगों के उत्पीड़न पर आमादा है। पूर्व नगर सचिव मनीष त्रिपाठी

बढ़ती महंगाई व बेरोजगारी के खिलाफ सोनभद्र जिले में समाजवादी पार्टी कार्यकताओं ने गैस सिलेंडर व थाली लेकर विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व जिला सचिव प्रमोद यादव ने इस अवसर पर सरकार पर जोरदार हमला बोला और पेश किए गए बजट को निराशाजनक बताया।

स्वर्ण जयंती चौक पर प्रदर्शन करने के दौरान समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए। प्रमोद यादव ने कहा कि बजट से जनता को अपेक्षा थी कि सरकार बजट में रसोई से लेकर शिक्षा व रोजगार पर ध्यान देगी पर निराशा हुई। मनीष त्रिपाठी व मुन्ना कुशवाहा ने कहा कि भाजपा ने चुनाव में जितने भी वायदे किए थे, उसे पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है।

यूपी के बजट को लेकर भी 23 फरवरी को समाजवादी पार्टी के नेता प्रमोद यादव ने स्वर्ण जयंती चौक पर योगी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी समाजवादियों ने भाजपा सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताते हुए कहा कि जनता भाजपा सरकार को हटाने के लिए तैयार बैठी है।

समाजवाद के पुरोधा को श्रद्धासुमन अर्पित

बुलेटिन ब्यूरो

महान समाजवादी चिंतक व विचारक डा राम मनोहर लोहिया की 113वीं जयंती समाजवादी पार्टी ने 23 मार्च को पूरे प्रदेश में सादगी से मनाई और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके विचारों पर चलने का संकल्प लिया। समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए गोष्ठी की और लोहिया के विचारों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

जयंती पर लखनऊ में मुख्य कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने शिरकत की। डा लोहिया को याद करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी रास्ते पर चलकर ही देश में खुशहाली आएगी और देश व समाज की समस्याओं का समाधान भी समाजवादी रास्ते से ही हो सकता है।श्री अखिलेश यादव ने शहादत दिवस, 23 मार्च के मौके पर भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरू को भी याद करते हुए उन्हें नमन किया।

राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर में स्थित लोहिया पार्क में आयोजित कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने डा राममनोहर लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद समाजवादियों को संबोधित करते हुए कहा कि डा राममनोहर लोहिया के बताए रास्ते पर चलकर नेताजी-मुलायम सिंह यादव ने

समाजवादी आंदोलन को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि पूंजीवाद के पोषक पूंजीवादी व्यवस्था को आगे बढ़ाना चाहते हैं जिससे समाज में गरीब-अमीर के बीच खाई बढ़ रही हैं। ऐसे में समाजवादी आंदोलन की सबसे ज्यादा जरूरत है क्योंकि समाजवादी व्यवस्था, सम्पन्नता और बराबरी के रास्ते पर ले जाती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा, अब उर्दू की बात कर रही है जबकि भाजपा ने समाज में नफरत का जहर फैलाया है। उर्दू प्रेम की भाषा है। उर्दू भाईचारे की भाषा है। उर्दू भारतीय भाषा है। उर्दू ने गंगा जमुनी तहजीब और मिली जुली संस्कृति को बढ़ावा दिया है। भाजपा ने लोगों को खासकर मुसलमान भाइयों को अपमानित किया है। भाजपा से कोई उम्मीद नहीं है। वह सिर्फ 2024 में वोट लेने के लिए उर्दू का राग अलाप रही है।

भाजपा पर हमलावर होते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार ने मिलकर 17 बजट प्रस्तुत किए हैं। जनता आज भी महंगाई और बेरोजगारी से परेशान है। किसान की आय दोगुनी नहीं हुई। आलू, गेहूं, सरसो किसान बर्बाद हो गया है। भाजपा ने इनकी कोई मदद नहीं की है। भाजपा सरकार ने गन्ना की कीमत नहीं बढ़ाई। गन्ना किसानों के बकाये का भुगतान नहीं किया है। नौजवानों को नौकरी रोजगार नहीं मिल रहा है। भाजपा आरक्षण को खत्म कर रही है। भाजपा सरकार निजीकरण कर सरकारी नौकरियां समाप्त कर रही है।

लोहिया जयंती पर हुए इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद, स्वामी प्रसाद मौर्य, आर.के. चौधरी, ओम प्रकाश सिंह, रविदास मेहरोत्रा, राजेन्द्र यादव, अरविन्द कुमार सिंह, ड राजपाल कश्यप, अनुराग यादव, मीरा वर्धन, पूजा शुक्ला, सी.एल. वर्मा, राज कुमार मिश्रा, विकास यादव, दीपक रंजन, जरीना उस्मानी, सुशील दीक्षित, मुकेश शुक्ला, ताराचंद, सर्वेश अम्बेडकर, मनोज यादव, जयसिंह जयंत, मोहम्मद एबाद, रामकरन निर्मल, सोनू कन्नौजिया आदि ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए डा लोहिया को नमन किया।

लोहिया और भारत-चीन संबंध

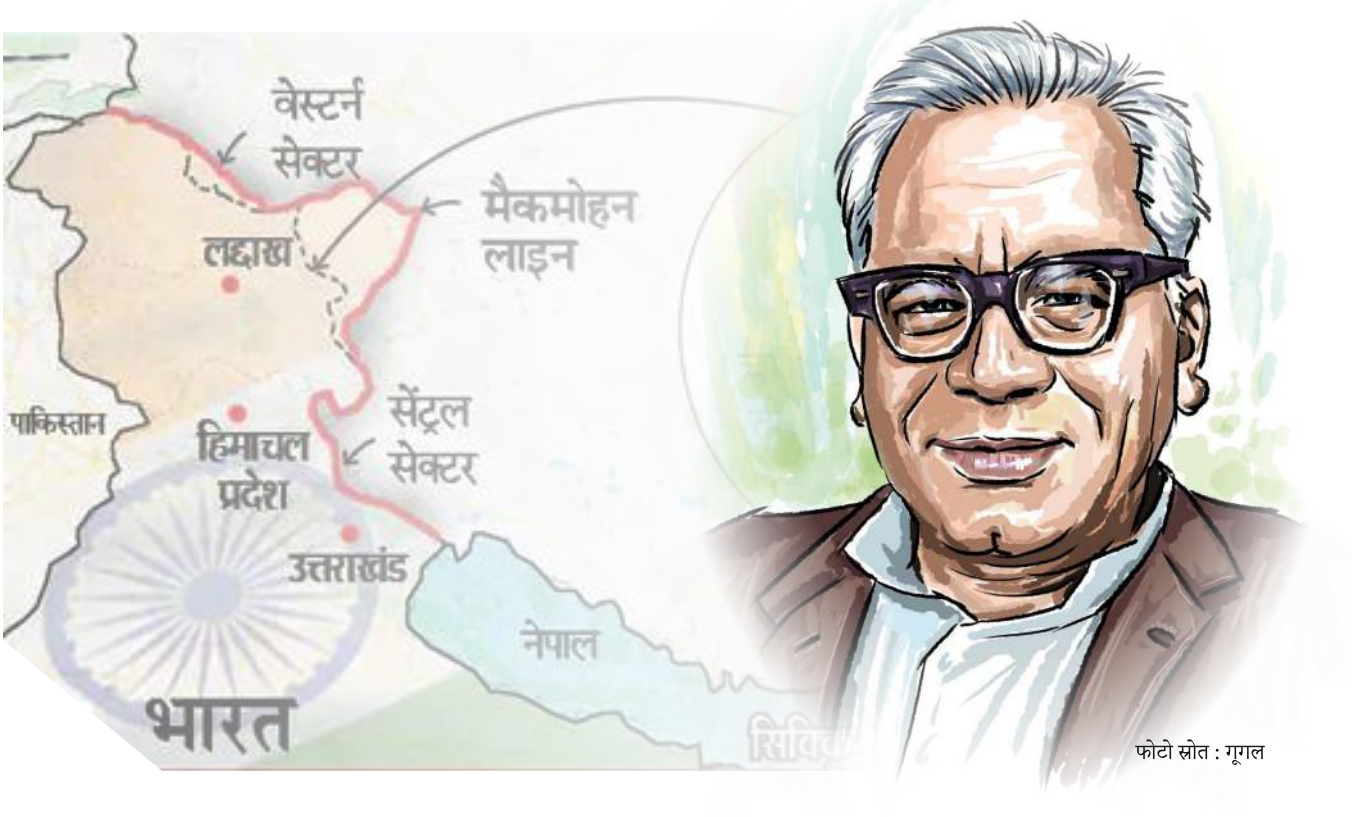

फोटो स्रोत : गूगल

मधुकर त्रिवेदी
वरिष्ठ पत्रकार

भारत-चीन सीमा पर तनाव घटने का नाम नहीं ले रहा है। चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के चलते स्वतंत्र भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। चीन की कुटिलता को भांपकर सबसे पहले समाजवादी नेता एवं चिंतक डा राममनोहर लोहिया ने चीन से सावधान रहने और अपने रक्षातंत्र को मजबूत करने की बात कही थी।

चीन ने पहले तिब्बत को हड़प लिया और फिर अरुणाचल प्रदेश सहित भारत के दूसरे भूभागों पर भी अपनी गिद्ध दृष्टि डालनी शुरू कर दी है। पूर्व में रक्षामंत्री रहे श्री जार्ज फर्नांडिस और श्री मुलायम सिंह यादव ने भी चेताया था कि पाकिस्तान से ज्यादा खतरा भारत को चीन से है। दुर्भाग्य से कांग्रेस की सरकारें रहीं हो या भाजपा की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार दोनों ने चीन के खतरे को उतनी गंभीरता से नहीं लिया जितनी गंभीरता और कूटनीतिक दृष्टि से उन्हें लेना चाहिए था।

किसे याद नहीं होगा 1962 का युद्ध जिसमें चीन ने भारत पर हमला कर भारत के बड़े भूभाग पर कब्जा कर लिया था। 20 अक्टूबर 1962 भारत के इतिहास का कलंक पूर्ण और राष्ट्रीय शर्म का दिन है। तब नेहरू जी की सरकार थी जिन्होंने तिब्बत पर चीन के कब्जे का प्रतिरोध करने के बजाय उसे चीन का भूभाग मान लिया था। यही

काम वाजपेयी सरकार ने किया। फलतः आज भारत पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं और भारतीय नेतृत्व केवल अपनी लाज बचा रहा है।

चीन अपने आसपास के देशों से तो विवाद में है ही, वह श्रीलंका, नेपाल, पाकिस्तान में भी दखलंदाजी करने से बाज नहीं आ रहा है। अभी चीन ने सऊदी अरब और ईरान के बीच दोस्ती कराने की जबर्दस्त कूटनीतिक चाल चली। यह चीन की आक्रामक नीति और दुस्साहसी कार्यप्रणाली के प्रमाण हैं।

चीन-भारत संबंधों पर जब बात होती है तो बरबस डॉ राममनोहर लोहिया की याद आती है। 23 मार्च 1910 को अकबरपुर जिला फैजाबाद (अब अयोध्या) में जन्में डॉ राममनोहर लोहिया भारतीय राजनीति के ऐसे ध्रुवधारा थे जिनकी मौलिक वैचारिकी का सभी लोहा मानते हैं। स्वाधीनता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले लोहिया जी ने लोकतंत्र और समाजवाद की मजबूत नींव तैयार की थी। सोये हुए समाज को जगाने, उसको परिवर्तनकामी बनाने तथा सामाजिक-राजनीतिक क्रांति की चिंगारी सुलगाने में उन जैसा कोई नहीं हुआ। भारत-चीन सम्बंधों पर उन्होंने बेबाकी से अपनी बातें रखी थी।

1949 में चीन ने तिब्बत की 'शिशुहत्या' की थी तब नेहरू जी ने पंचशील की मुहर लगाई थी। तिब्बत से भारतीय सेना हटाई, डाकतार, विश्राम गृह, सब चीनियों को सौंप दिए। चीन ने इसके बाद घुसपैठ के साथ अक्साईचिन और लद्दाख पर अपनी नज़रें तिरछी करनी शुरू की। अटल जी भी नेहरू की नीति पर चलते रहे। सन् 2003 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने तिब्बत को चीन का स्वायत्तशासी अंग मान लिया।

दरअसल भारतीय विदेश नीति शुरू से ढुलमुल रही है। तिब्बत, हिमालय और चीन से संबंधों पर जितनी स्पष्ट नीति डॉ लोहिया ने रखी, उनके बाद श्री मुलायम सिंह यादव के अलावा किसी अन्य ने नहीं। आज मोदी सरकार चीन से नरम गरम रिश्तों के बल पर अपनी इज्जत बचा रही है। एक ओर सीमा पर तनाव है तो दूसरी तरफ चीन से भारत को निर्यात 89.66 अरब डॉलर का रहा जबकि भारत से चीन के लिए केवल 13.97 अरब डालर का निर्यात हुआ। घाटे का यह व्यापार विरोधाभासी भारतीय नीति का एक ज्वलंत उदाहरण है।

डॉ राममनोहर लोहिया ने तिब्बत की आजादी और भारत की सुरक्षा को एक ही सिक्के के दो पहलू मानने के साथ स्वतंत्र भारत के लिए हिमालय नीति पर विशेष बल दिया था। उनका स्पष्ट मत था कि हिमालय को भारत का रक्षा कवच मानना अब ठीक नहीं होगा। न हिमालय की बर्फ, न ही उसकी अलंघ्य चढ़ाई अब हिन्दुस्तान के संतरी का काम कर सकती है इसलिए परराष्ट्र और रक्षानीतियों की पुरानी धारणाएं बदलनी पड़ेगी।

चीन की आक्रामकता के बावजूद भारत द्वारा राष्ट्रसंघ में अपनी जगह चीन को सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता दिलाने की पैरवी की भी लोहिया जी ने कड़ी आलोचना की थी। भारत-चीन सीमा को मैकमोहन लाइन से व्याख्यायित करने के प्रतिकार में वे मानते थे कि कैलाश मानसरोवर हमारे सीमाक्षेत्र में है। चीन की सीमा मैकमोहन रेखा से करीब 70 मील उत्तर में बहने वाली पूर्व वाहिनी ब्रह्मपुत्र नहीं होनी चाहिए।

चीन क्या है, इसे जाने बगैर उससे निबटने की कोई पहल सार्थक और सफल नहीं हो सकती। लोहिया जी ने कहा था "चीनी गणराज्य इतिहास की मनःकल्पित झूठ और युद्ध की अस्थिर नियति से जन्मी अल्पकालिक संधियों पर चल रहा है।

डॉ राममनोहर लोहिया इस मत के थे कि जिस दिन हम स्वतंत्र हुए, 15 अगस्त 1947 को, जो भूमि हिन्दुस्तान को मिली थी वह सब भूमि हिन्दुस्तान की रहनी चाहिए। हम चीन की जमीन नहीं चाहते परन्तु हम अपनी जमीन भी नहीं देना चाहेंगे। 1962 के चीनी हमले के बाद संसद ने एक संकल्प पारित किया था कि हम अपनी जमीन वापस लाएंगे। पर यह संकल्प पुलिंदों में दबा पड़ा है।

चीन की कुटिल चालों से सावधान रहने में ही भलाई है। वैसे अपने देश हिन्दुस्तान की एक विशेषता रही है। भले ही हिन्दुस्तान को हजार वर्ष से ज्यादा विदेशी हमलों और विदेशी राज का सामना करना पड़ा हो पर उसकी जिजीविषा और उठ खड़े होने की आंतरिक ताकत में कभी कमी नहीं आई।

डा लोहिया ने 30 जून व 14 जुलाई 1967 को तिब्बत पर लोकसभा की एक ऐतिहासिक बहस में यह आशा व्यक्त की थी कि 'कभी ऐसा भी वक्त आ सकता है जब भारत मजबूत हो और उस वक्त के लिए मैं आपको प्राचीन भारत की आखिरी राजधानी कन्नौज के आखिरी कवि राजराजेश्वर की 'चक्रवर्ती राज्य' की यह परिभाषा सुना देना चाहता हूँ। बिंदुसार (मानसरोवर) से लेकर कन्याकुमारी तक जो राज्य हो, वह चक्रवर्ती राज्य होता है। पार्वती और शंकर जैसे बड़े देवी देवताओं को कोई कौम विदेशी क्षेत्र में कभी नहीं बसाती।

संत गाडगे
का जीवन प्रेरणास्रोत

बुलेटिन ब्यूरो

महान समाज सुधारक संत गाडगे की 147वीं जयंती पर पूरे प्रदेश में समाजवादियों ने कार्यक्रम कर उन्हें याद किया। संत गाडगे के समाज सुधार के लिए किए गए कामों को रेखांकित करते हुए उनसे प्रेरणा लेने का संकल्प लिया गया।

23 फरवरी को समाजवादी पार्टी मुख्यालय समेत सूबे के सभी जिलों में संत गाडगे की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए ।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा कि संत गाडगे ने समाज में शिक्षा का प्रकाश फैलाने के लिए 31 शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की। बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के अत्यंत करीबी संत संत गाडगे का सम्पूर्ण जीवन और कार्य पूरे भारत के लिए प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने कहा है कि संत गाडगे ने जीवन पर्यंत सामाजिक विषमता और अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया। वह समाज को जागरूक करते रहे। व्यर्थ के कर्मकाण्ड एवं खोखली परम्पराओं से संत गाडगे सदैव दूर रहे। अस्पृश्यता और जाति प्रथा के भी वह प्रबल विरोधी थे।

समाजवादियों ने कांशीराम को श्रद्धासुमन अर्पित किए

बुलेटिन ब्यूरो

दलितों, वंचितों व शोषितों को अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष करने वाले मान्यवर कांशीराम की जयंती पर समाजवादियों ने पूरे प्रदेश में उन्हें याद किया। उनकी जयंती पूरे प्रदेश में सादगी के साथ मनाई गई। जयंती पर प्रदेश मुख्यालय समेत जिलों के समाजवादी पार्टी कार्यालयों पर गोष्ठी हुई और चित्र पर माल्यार्पण के साथ उन्हें याद किया गया।

लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी मुख्यालय पर 15 मार्च को मान्यवर कांशीराम की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य एवं आरके चौधरी ने कांशीराम के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बाद में समाजवादी नेताओं ने कांशीराम के जीवन व कृतित्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने बताया कि कांशीराम ने किस तरह संघर्ष करते हुए दलित आंदोलन काे मजबूती दी। कांशीराम ने दलित अधिकार के लिए पूरा जीवन संघर्ष करते हुए बिताया। उनका एक ही उद्देश्य था के दलितों, वंचितों व शोषितों को किस तरह उनका अधिकार मिल सके।

मान्यवर कांशीराम की जयंती पर उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में समाजवादी पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने सादगीपूर्वक गोष्ठी कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और दलित आंदोलन के उनके काम को शिद्दत से याद किया।

सपा सरकार की उपलब्धियों को जापान ने सराहा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी की सरकार में विकास करने के तौर तरीकों, विजन और नेतृत्व क्षमता को अब दुनिया सराहने लगी है। समाजवादी सरकार में रेल मेट्रो, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे, इकाना स्टेडियम, गोमती रिवर फ्रंट जैसे कामों की धमक जापान तक पहुंचीं तो वहां के एक शिष्टमंडल ने लखनऊ के अपने दौरे में तत्कालीन समाजवादी पार्टी सरकार के मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से भेंटकर उनकी सरकार के कामकाज की जमकर तारीफ की और भविष्य को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं कीं।

इस शिष्टमंडल ने यूपी में निवेश की संभावनाओं पर भी श्री अखिलेश यादव से सार्थक विमर्श किया। शिष्टमंडल को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने समाजवादी सरकार के विजन को विस्तार से समझाया-बताया। राष्ट्रीय अध्यक्ष के विकास के विजन व स्पष्टवादिता से शिष्टमंडल काफी प्रभावित हुआ।

जापान का एक शिष्टमंडल 26 फरवरी 2023 को लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी मुख्यालय पर पहुंचा। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने शिष्टमंडल का स्वागत किया। शिष्टमंडल ने उन्हें बताया कि चूंकि उनकी सरकार में बेहतर काम हुए, विकास को लेकर उनका विजन दुनिया के लिए नजीर बना है इसलिए वह यूपी में निवेश की संभावनाओं को समझने के लिए उनसे विस्तार से वार्ता करने आए हैं। श्री अखिलेश यादव ने जापानी प्रतिनिधिमंडल का आभार जताया कि समाजवादी सरकार के समय के बाद उनके विपक्ष में होने पर भी वे उनसे भेंट करने आए।

जापानी शिष्टमंडल ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को बताया कि उनके तमाम काम दुनिया ने पसंद किए हैं। इस शिष्टमंडल ने विस्तार से समाजवादी सरकार के कई कामों के बारे में रोशनी डाली और भविष्य को लेकर चर्चाएं कीं। श्री अखिलेश यादव ने बताया कि जापान के साथ हमारे सद्भावपूर्ण रिश्ते रहे हैं। जब हरदुआगंज में समाजवादी सरकार के समय पावर प्लांट का उद्घाटन हुआ था, तब जापानी कम्पनी के अधिकारियों ने श्री मुलायम सिंह यादव के मुख्यमंत्रित्व काल का एक चित्र, भेंटकर यह दर्शा दिया था कि वे मजबूत रिश्ता रखने वाले होते हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष से भेंट, सार्थक विचार विमर्श से संतुष्ट जापानी शिष्टमंडल ने आभार जताते हुए जापान से रिश्तों को और मजबूती देने का भरोसा दिलाया।

फार्म ४

(नियम ८ देखिए)

१	प्रकाशन का स्थान -	समाजवादी बुलेटिन, 19 विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ
२	प्रकाशन अवधि-	मासिक
३	मुद्रक का नाम-	प्रो. रामगोपाल यादव, सदस्य राज्यसभा
	(क्या भारत का नागरिक है)-	भारतीय
	(यदि विदेशी मूल है तो मूल देश)-	X
	पता-	46 ए फ्रेंड्स कालोनी, इटावा
४	प्रकाशक-	प्रो. रामगोपाल यादव
	(क्या भारत का नागरिक है)-	भारतीय
	(यदि विदेशी मूल है तो मूल देश)-	X
	पता-	46 ए फ्रेंड्स कालोनी, इटावा
५	संपादक-	प्रो. रामगोपाल यादव
	(क्या भारत का नागरिक है)-	भारतीय
	(यदि विदेशी मूल है तो मूल देश)-	X
	पता-	46 ए फ्रेंड्स कालोनी, इटावा
६	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के 1% से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	समाजवादी पार्टी, 19 विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ

मैं प्रो. रामगोपाल यादव एतदद्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांक- 1 मार्च 2023

प्रकाशक के हस्ताक्षर
प्रो. रामगोपाल यादव

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 05 Mar
दोनों उपमुख्यमंत्रियों के बिना खींची गई सदन-विधायकों की तस्वीर अधूरी है। हमारी माँग है कि सरकार की तरफ़ से उनकी अनुपस्थिति का ये स्पष्टीकरण आए कि:

-क्या वो लोग आए नहीं या बुलाए नहीं गये?
-क्या उपमुख्यमंत्रियों के पद का कोई महत्व है या नहीं?
-क्या उनकी गिनती होती भी है या नहीं?

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
मुरादाबाद में छेड़खानी की शिकायत करने पर भी पुलिस कार्रवाई नहीं होने से हताश होकर एक 17 वर्षीय छात्रा की आत्महत्या का समाचार दुखद भी और उप्र की संवेदनहीन भाजपा सरकार के लिए शर्मनाक भी।

कोई भाजपाइयों से ये पूछे कि दरोगा के दिखावटी निलंबन से क्या बच्ची की ज़िंदगी वापस आ जाएगी।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
परम पावन चैत्र नवरात्रि की सात्त्विक शुभकामनाएँ!

सब पर माँ की अनुकंपा बनी रहे...!!!

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 09 Mar
अत्यंत दुखद!

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वाइस प्रेसिडेंट, सज्जादानशीन, किछौछा शरीफ़ जनाब सैय्यद फ़ख़रुद्दीन अशरफ जी का इंतक़ाल, अपूरणीय क्षति!

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

भावभीनी श्रद्धांजलि!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
चलिए ये मान भी लिया जाए कि मुख्यमंत्री जी अगले 4 साल में उप्र के बेरोज़गारों को 2 करोड़ रोज़गार देंगे तो इसका मतलब होगा प्रतिदिन लगभग 13,700 या प्रति माह 4.17 लाख लोगों को रोज़गार मिलेगा। भाजपा सरकार से आग्रह है कि इस झूठ को हर दिन या हर माह सच्चे आँकड़े प्रकाशित करके साबित करे।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
सपा कार्यालय।
Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
ख़ुद पर लगे केसों में ख़ुद को 'माफ़' करनेवाले मतलब माफियाँ देनेवाले 'माफ़िया' की बात न करें।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
भाजपाइयों को प्रेम के पर्यावरण से ही प्रेम नहीं है, चाहे वो प्रेम इंसान-इंसान के बीच हो या फिर इंसान-परिंदों के बीच हो।

दूसरों को दुख देकर, उनके दुख में अपना सुख ढूँढनेवाले कभी ख़ुश नहीं रह सकते।
Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
भाजपा की सरकार में बनारस के VVIP संसदीय क्षेत्र में 25000 अवैध निर्माण हो गये हैं जिसमें अधिकांश भाजपा के प्रश्रय-प्राप्त लोगों की ही संलिप्तता है। मान्यवर अब बात खुल गयी है तो मजबूर होकर ही सही भाजपाइयों के ख़िलाफ़ दिखावटी कार्रवाई तो कर ही दीजिए या फिर बुलडोज़र में तेल नहीं है?

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 14 Mar
भाजपा सरकार का भ्रष्टाचार से ऐसा करार है कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे में आ रही दरार ही दरार है।

उच्च गुणवत्तावाले विकास कार्य करने के लिए भाजपा सरकार सपा को अपना सलाहकार बनाए और ये सीखे कि ऐसा एक्सप्रेसवे कैसे बनाया जाता है जहां भारी-भरकम जहाज़ भी उतारे जा सकते हैं।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
रामराज्य का प्रस्थान बिंदु समाजवाद ही होता है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
लखनऊ में भूजल स्तर सुधारने के दूरगामी लक्ष्य से प्रेरित सपा की दूरदर्शिता का प्रतीक जनेश्वर मिश्र पार्क, जिसमें रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से प्राकृतिक झीलें बनाई गयीं।

अगर भाजपा सरकार भी ऐसे सार्थक काम करती तो लखनऊ का भूजल स्तर नहीं गिरता।
Translate Tweet

Following

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

सपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक, कोलकाता।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

आज कोलकाता के कालीघाट शक्तिपीठ मन्दिर में काली माँ के दर्शन-आरती करने और सबके कल्याण के लिए प्रार्थना करने का परम सुयोग बना।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

आज मायापुर में चैतन्य महाप्रभु के जन्म स्थान पर बने इस्कॉन मंदिर में दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh · 3d

उठाते हैं संकल्प
बनाएंगे नया कल

समाज में जितना भेद बढ़ेगा, समाजवाद की उतनी ही ज़्यादा ज़रूरत बढ़ेगी।

सामाजिक न्याय को विचार से ऊपर उठाकर आंदोलन बनाने का समय आ गया।

'जातीय जनगणना' सामाजिक न्याय की पहली सीढ़ी साबित होगी।

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 15 Mar

ये है भाजपा सरकार में दलित-पिछड़ों के साथ हुए दुर्व्यवहार की दुखद गाथा।

क्या यही 'आज़ादी का अमृतकाल' है जहाँ सहायक शिक्षिकाएं अपनी रोज़ी-रोटी की रक्षा के लिए सड़कों पर बिलख रही हैं। क्या ऐसे ही भारत बनेगा विश्वगुरु?

अबकी बार, 69000 लाएँगे बदलाव!

#69000

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

'भारत रत्न' से सम्मानित प्रख्यात शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खान जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

वाराणसी के दशाश्वमेध घाट के समीप ऐतिहासिक चितरंजन पार्क के किनारे की गुमटियों को बुलडोज़र से रौंदकर लोगों की आजीविका छीननेवाली भाजपा सरकार को अब वाराणसी विकास प्राधिकरण का नाम बदलकर 'वाराणसी विनाश अनाधिकरण' कर देना चाहिए।

बुलडोज़र भाजपा के अहंकार और क्रूरता का प्रतीक बन गया है।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

अवैध निर्माण व कॉलोनियों पर बुलडोज़र चलाने से पहले भाजपा सरकार अपने सभी कार्यालयों, मंत्री, नेताओं व कार्यकर्ताओं के घरों, दुकानों व प्रतिष्ठानों के वैध नक्शे व अनुमति की जाँच कर उन पर बुलडोज़र चलाए।

दूसरों का घर-दुकान गिरानेवाले भाजपाई पहले ख़ुद पर इसे लागू करके दिखाएं।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

भाजपा सरकार ने सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स विभागों को विपक्षियों के लिए हथियार और अपने कारनामों और घपलों के लिए ढाल बना लिया है।

जनता सब देख रही है और बदलाव के लिए तैयार बैठी है।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

अबकी बार, आलू है उदास

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

जब मुख्यमंत्री ख़ुद व उनके आसपास उनके खास लोग जूता पहन सकते हैं तो पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्यों के जूते क्यों उतरवाए गये? ऐसी भेदकारी सोच वाले लोग पिछड़ा वर्ग को उनका हक़ कभी नहीं देंगे। पिछड़े-दलित अब भाजपा के झांसे में नहीं आएंगे।
मुख्यमंत्री पढ़ें समाजवाद का मूल होता है बराबरी।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

रामनवमी मनाने के लिए उप्र के ज़िलाधिकारियों को 1 लाख रुपये दिये जाने के प्रस्ताव का स्वागत है पर इतनी कम रक़म से होगा क्या, कम से कम 10 करोड़ देने चाहिए जिससे सभी धर्मों के त्योहारों को मनाया जा सके। भाजपा सरकार त्योहारों पर फ़्री सिलेंडर दे और इसकी शुरूआत इसी रामनवमी से हो।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

69000 सहायक शिक्षक भर्ती में आया फ़ैसला, आरक्षण की मूल भावना की विरोधी भाजपा सरकार की ढीली पैरवी का नतीजा है।

भाजपा दलित-पिछड़ों का हक़ मारने के लिए आरक्षण को विधायी माया जाल में फँसाती है। जातीय जनगणना ही इस समस्या का सही समाधान है जिससे कि जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण हो सके।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

ये है भाजपा काल में माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रभाव क्षेत्र में बहती 'स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत' की तथाकथित विकास धारा।

Translate Tweet

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2021-2023 कुल पृष्ठ : 48 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

धरती पुत्र नेताजी

हम सबके तुम बीच में आए
अपना तुम्हें पुकारा था।
घने अंधेरे बीच उगे तुम
तिमिर बना उजियारा था।
नेताजी कहलाए हर दम
नेता नाम तुम्हारा था।
नहीं सियासत में कोई था
अपना तुम्हें पुकारा था।
नायक बनकर रहे हमेशा,
दुखिया दिया सहारा था।
शोषित-पीड़ित संग रहे तुम
तुमने उसे उबारा था।
सम्मुख हो अन्याय देखना
तुमको नहीं गवारा था।
बनकर के आवाज दीन की
शासन को ललकारा था।
मानवता के बने पुजारी
जालिम तुमसे हारा था।
जब जब सत्ता में तुम आए
खासा काम तुम्हारा था।
दिया यहां सम्मान-शहादत
किसने उसे निहारा था।
रीति-नीति के बने प्रणेता
इससे तुम कहलाए नेता।

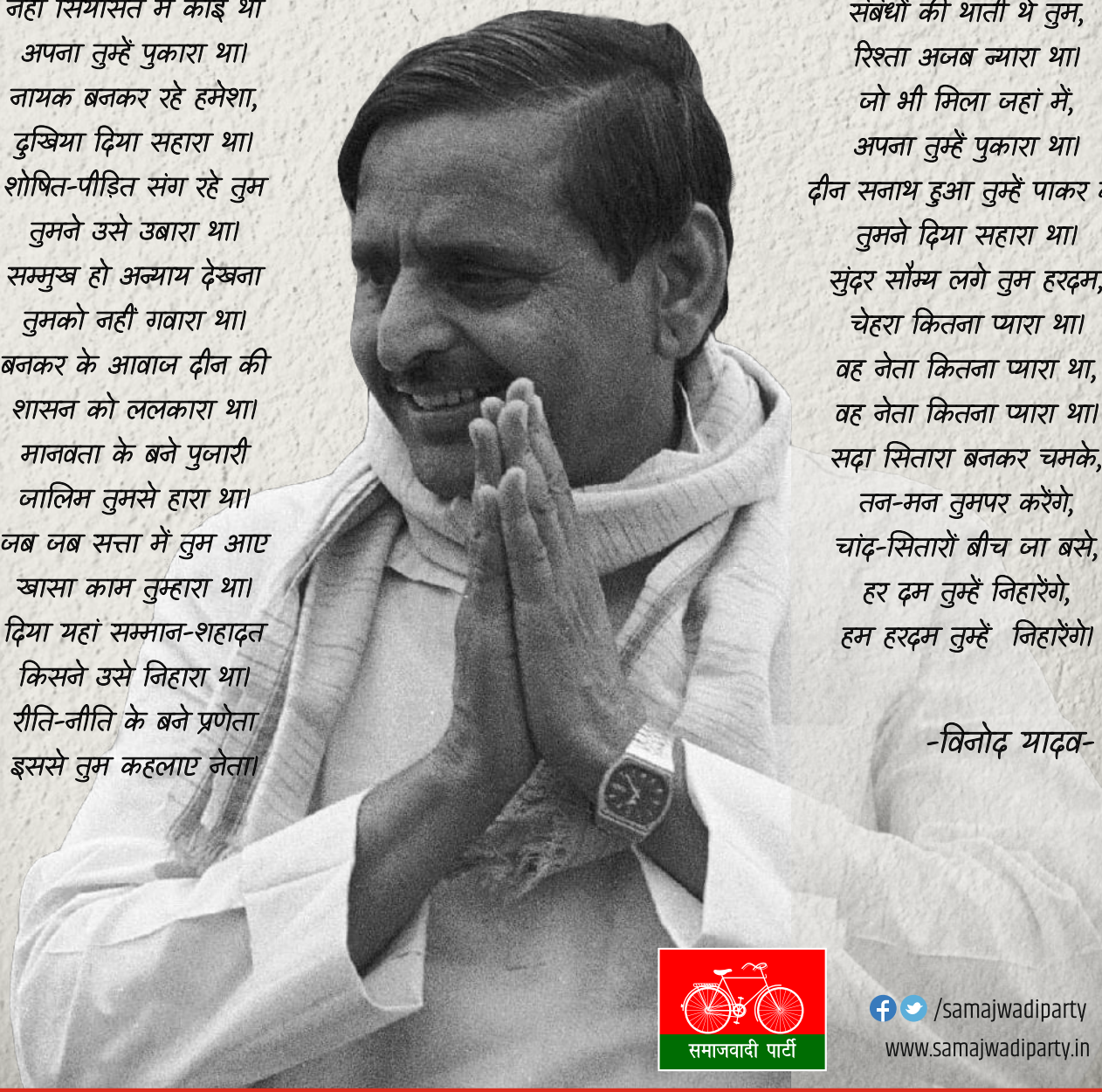

किए अनगिनत काम सभी के,
जिसने तुम्हें पुकारा था।
रहे सदा सिद्धांत अडिग तुम,
लालच सदा नकारा था।
धरा-धरातल राजनीति की,
धरती पुत्र हमारा था।
संबंधों की थाती थे तुम,
रिश्ता अजब न्यारा था।
जो भी मिला जहां में,
अपना तुम्हें पुकारा था।
दीन सनाथ हुआ तुम्हें पाकर के,
तुमने दिया सहारा था।
सुंदर सौम्य लगे तुम हरदम,
चेहरा कितना प्यारा था।
वह नेता कितना प्यारा था,
वह नेता कितना प्यारा था।
सदा सितारा बनकर चमके,
तन-मन तुमपर करेंगे,
चांद-सितारों बीच जा बसे,
हर दम तुम्हें निहारेंगे,
हम हरदम तुम्हें निहारेंगे।

-विनोद यादव-

समाजवादी पार्टी

/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in